दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-110 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शनिवार 9 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गेहूँ उपार्जन की कर रहे सतत मॉनीटरिंग

अभी तक किसानों को उपार्जित गेहूँ का 10403.17 करोड़ रुपये हुआ भुगतान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन और सतत मॉनीटरिंग तथा उपार्जन केन्द्रों के औचक निरीक्षण के परिणामस्वरूप गेहूँ की उपार्जन प्रक्रिया सुगमता से जारी है। किसानों को समय पर उपार्जित गेहूँ का भुगतान हो रहा है। अभी तक किसानों को 10403.17 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। गेहूँ का उपार्जन 23 मई तक होगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने पर मंत्रियों और विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव से काम का हिसाब लेने वाले हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री सचिवालय ने 45 सूत्रीय एजेंडा तय कर दिया है और विभागों को इसकी जानकारी दी गई है। अब सरकार की प्राथमिकता को लेकर बैठकों के माध्यम से विभागवार चर्चा की जाएगी।

9.38 लाख किसानों से 56.45 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 9 लाख 38 हजार किसानों से 56 लाख 45 हजार मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। उन्होंने बताया है कि तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक तथा देयक जारी करने का समय रात 12 तक कर दिया गया है। गेहूँ का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन सोमवार से शनिवार तक किया जाता है। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिए जाने का निर्णय लिया गया।

अमेरिका-ईरान के हमले में गुजरात का जहाज डूबा, एक भारतीय की मौत

17 क्रू मेंबर्स को बचाया; दुबई से यमन जा रहा था

दुबई/द्वारका। ईरान और अमेरिका की नेवी के बीच बीती रात हॉर्मुज स्ट्रेट में हुई फायरिंग की चपेट में गुजरात का एक मालवाहक जहाज डूब गया। यह जहाज गुजरात के द्वारका जिले के सलाया का था। हादसे में जहाज के इंजन रूम में काम कर रहे अल्ताफ तालब केर नाम के भारतीय क्रू की मौत हो गई, जबकि बाकी 17 क्रू को बचा लिया गया। इंडियन सेलिंग वेसल्स एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी आदम भाई ने भास्कर से बात करते हुए इसकी जानकारी दी। आदम भाई ने दुबई स्थित भारतीय दूतावास को ईमेल भेजकर मदद भी मांगी है। मालवाहक जहाज स्स्ङ्क,रु फैज नूरे सुलेमानी-द्ब दुबई से कार्गो लेकर यमन के मुकाला बंदरगाह जा रहा था। जहाज पर एक गनमैन समेत कुल 18 क्रू सवार थे। आदम भाई के मुताबिक 7 मई की सुबह करीब एक बजे जहाज हॉर्मुज स्ट्रेट से

गुजर रहा था। इसी दौरान ईरान और अमेरिकी नेवी के बीच आमने-सामने फायरिंग शुरू हो गई। क्रॉस फायरिंग में गुजरात का यह जहाज भी चपेट में आ गया। फायरिंग से जहाज को भारी नुकसान पहुंचा और उसमें पानी भरने लगा। इससे जहाज डूबने लगा। इसी दौरान इंजन रूम में मौजूद अल्ताफ तालब केर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

नासिक टीसीएम केस

मुख्य आरोपी निदा खान हिरासत में लिया

नासिक। नासिक टीसीएस केस में पुलिस ने मुख्य आरोपी निदा खान को गुरुवार रात छत्रपति संभाजीनगर से हिरासत में लिया। निदा पर सेक्सुअल हैरेसमेंट और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप हैं। इससे पहले 2 मई को नासिक कोर्ट ने निदा की एंटीसिपेटरी बेल याचिका खारिज की थी। प्रॉसिक्यूशन ने कोर्ट में कहा कि आरोप गंभीर हैं और उनसे कस्टडी में पूछताछ जरूरी है। इस दौरान निदा फरार चल रही थी। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अजय मिसर ने बताया था कि निदा खान इस केस की मुख्य आरोपियों में से एक हैं। इसी आधार पर कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। एफआईआर के अनुसार, निदा पर आरोप है कि उसने महिला कर्मचारियों को बुर्का पहनने की सलाह दी थी। मामले की जांच नासिक पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) जांच कर रही है। इस मामले में अब तक 9 एफआईआर दर्ज हुई हैं, जो महिला कर्मचारियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न से जुड़ी हैं। स्ढ्ढञ्ज ने इस मामले में अब तक एक महिला ऑपरेशंस मैनेजर समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया है।

शाह बोले- बंगाल में महिला सुरक्षा हमारे लिए टॉप प्रायोरिटी

सुवेंदु बंगाल के सीएम होंगे, राज्यपाल से मिले

कोलकाता। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए सीएम होंगे। कोलकाता में कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक के बाद अमित शाह ने उनके नाम का ऐलान किया। शाह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 1950 से जिस विचार को लेकर हम निकले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को लेकर निकले। आज उनकी ही पार्टी की सरकार बनी। ममता जी के शासन में अपराधी राजनेता बन गए तो विकास की गुंजाइश ही नहीं रही। कुछ ही महीनों में ये सब खत्म हो जाएगा। सुवेंदु कल 10 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, शाह समेत एनडीए के कई बड़े नेता शामिल होंगे।

सरकार बनाने का दावा पेश किया

सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए सीएम होंगे। कोलकाता में कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक के बाद अमित शाह ने उनके नाम का ऐलान किया। इसके बाद सुवेंदु लोकभवन में राज्यपाल से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया। सुवेंदु कल सुबह 11 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, शाह समेत एनडीए के कई बड़े नेता शामिल होंगे। उधर शाह ने विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ममता जी के शासन में अपराधी राजनेता बन गए तो विकास की गुंजाइश ही नहीं रही।

बंगाल में भाजपा का झंडा फहराने का सपना पूराः शाह

गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकार-100 साल की वैचारिक यात्रा के बाद गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकार बनी है। 1950 से जिस विचार को लेकर हम निकले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को लेकर निकले। आज उनकी ही पार्टी की सरकार बनी।

भाजपा का झंडा फहराने का सपना पूरा हुआ

बंगाल में भाजपा का झंडा फहराने का सपना पूरा हुआ- 370 हटी तो देश भर में कार्यकर्ताओं में खुशी थी। लेकिन कई कार्यकर्ताओं ने कहा था कि अभी भी एक कसक बची है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना है। वो भी आज पूरा हो गया। शाह बोले- पूरे देश से घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे शाह ने कहा- भाजपा का वादा है कि बंगाल की जनता को कि न सिर्फ बंगाल, पूरे देश से हम एक-एक घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे।

सियासी टकराव से रुकी थी योजनाएं

बंगाल, केरल और तमिलनाडु में अब केंद्रीय योजनाएं पकड़ेंगी तेज रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार बदलने के साथ ही पश्चिम बंगाल में पीएम से जुड़ी तमाम योजनाओं को अब रफ्तार मिल सकती है। ममता सरकार ने इस तरह की कई योजनाओं को अपने यहां लागू नहीं किया था। बंगाल सरकार से इसी तरह की खींचातानी के चलते जनगणना का पहला चरण भी शुरू नहीं हो पाया था। अब यह भी नई सरकार के गठन के बाद जल्द शुरू हो जाएगा। उधर, तमिलनाडु व केरल में भी केंद्र व राज्य के तमाम मुद्दों पर पहले जैसा टकराव खत्म होने या कम होने की उम्मीद जताई जा रही है। ममता बनर्जी की सरकार ने केंद्र की आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं की। उसका तर्क था कि इसी तरह की योजना उनकी सरकार ने पहले से चला रखी है। पीएम किसान व पीएम आवास योजना को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार के बीच फंड, लाभार्थियों की वास्तविक संख्या को लेकर भी विवाद रहा है। स्कूलों के अपग्रेडिंग संबंधी पीएम श्री योजना बंगाल में सियासत की भेंट चढ़ गई । हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैली में कहा था कि पीएम नाम से केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं का टीएमसी सरकार या नाम बदल देती है या उसे पूरी तरह लागू ही नहीं करती। जैसे पीएम आवास योजना पीएम जन आरोग्य योजना आदि।

तमिलनाडु ने नीट व राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर जताया एतराज

तमिलनाडु ने भी पीएम श्री योजना लागू करने में आनाकानी की। इसी तरह राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) व राष्ट्रीय शिक्षा नीति का भी स्टालिन सरकार ने तीखा विरोध किया था। खास तौर पर तीन-भाषा नीति पर उसे खासा एतराज था। केंद्र सरकार का कहना था, कि डीएमके सरकार केंद्र द्वारा वित्त पोषित योजनाओं का नाम बदल रही है या उनका श्रेय खुद ले रही है। तमिलनाडु व केरल में इसको लेकर केंद्र व सरकार के बीच कई बार गतिरोध बना रहा। अब चूंकि चुनाव हो गए हैं तो इन तीनों राज्यों में यह योजना लागू करने के लिए केंद्र सरकार फिर पहल करेगा।

टीवीके पार्टी लिडर विजय तमिलनाडु के सीएम होंगे राज्यपाल को 118 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा

चेन्नई, एजेंसी

अभिनेता विजय की तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) ने चेतावनी दी है कि अगर डीएमके या एआईएडीएमके में से कोई भी सरकार बनाने का दावा करता है, तो पार्टी के सभी विधायक इस्तीफा दे देंगे। यह फैसला डीएमके और एआईएडीएमके में हुई दो अहम बैठकों के बाद लिया गया। टीवीके को अब शक है कि दोनों पार्टियां मिलकर सरकार बनाने की कोशिश कर रही हैं और उस पार्टी को बाहर कर रही हैं, जिसे जनता का समर्थन मिला है। टीवीके का कहना है कि वह 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है, इसलिए राज्यपाल को उसे सरकार बनाने के लिए बुलाना चाहिए। लेकिन इससे पहले राज्यपाल आरवी अर्लेकर ने विजय को सरकार बनाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और कहा कि उनके पास बहुमत नहीं है। उन्होंने विजय की उस योजना को भी स्वीकार नहीं किया, जिससे बहुमत पूरा किया जा सके। सूत्रों के अनुसार, दूसरी बैठक के बाद राज्यपाल ने कहा कि विजय को 118 विधायकों के समर्थन के पत्र देने होंगे। राजभवन की ओर से कहा गया कि विधानसभा में सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत साबित नहीं

सीपीआई का समर्थन, वीसीके और सीपीआई (एम) भी राजी

हुआ है। टीवीके को बहुमत के लिए 10 सीटों की कमी है। कांग्रेस के पांच विधायकों का समर्थन उसे मिला हुआ है। बाकी सीटों के लिए वाम दलों और कुछ छोटी पार्टियों से बातचीत चल रही है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी अदालत जाने की भी तैयारी कर रही है। वहीं, डीएमके ने आज बैठक की जिसमें चार प्रस्ताव पारित किए गए, जिनमें पार्टी प्रमुख एमके स्टालिन को आपात निर्णय लेने का अधिकार देना शामिल है। डीएमके ने कहा कि उनका लक्ष्य दोबारा चुनाव से बचना और स्थिर सरकार बनाना है। डीएमके ने स्थिति को गंभीर बताते हुए अपने सभी विधायकों को 10 मई तक चेन्नई में रहने को कहा है। सूत्रों के अनुसार, यह भी चर्चा है कि एआईएडीएमके के नेतृत्व में बाहर से समर्थन देकर सरकार बनाने का विकल्प भी देखा जा रहा है। डीएमके के कुछ युवा नेता चिंतित हैं कि अगर विजय सत्ता में आए तो वे एमजी रामचंद्रन जैसे मजबूत नेता बन सकते हैं, जिन्हें हटाना मुश्किल होगा। लेकिन पार्टी के वरिष्ठ नेता, जिनमें एमके स्टालिन भी शामिल हैं, अभी इस विचार से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। वे इस बात से चिंतित हैं कि दशकों से विरोधी रही पार्टियां एक साथ आएंगी तो जनता की प्रतिक्रिया कैसी होगी।

तमिलनाडु की राजनीति में गुरुवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला, जब द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के अध्यक्ष एमके स्टालिन ने अपने विधायकों को बताया कि एआईएडीएमके ने सरकार बनाने के लिए डीएमके से समर्थन मांगा है, ताकि टीवीके प्रमुख विजय को मुख्यमंत्री बनने से रोका जा सके। सूत्रों के अनुसार, डीएमके विधायकों ने अंतिम फैसला स्टालिन पर छोड़ दिया है। वहीं, एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने शुक्रवार को राज्यपाल आरएन रवि से मिलने का समय मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- मंत्री शाह को ऐसे कमेंट्स की आदत

कर्नल सोफिया मामले में एमपी सरकार को फटकार

नई दिल्ली/भोपाल। सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अभियोजन स्वीकृति देने में हो रही देरी पर राज्य सरकार को फटकार लगाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कड़े शब्दों में कहा- "Enough is enough (बस बहुत हुआ), अब हमारे आदेश का पालन कीजिए। सुनवाई के दौरान जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंत्री का बचाव करते हुए कहा कि शायद उनके बयान को गलत समझा गया और वे महिला अधिकारी की प्रशंसा करना चाहते थे तो सीजेआई सूर्यकांत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। एक राजनेता के तौर पर उन्हें अच्छी तरह पता है कि किसी महिला अधिकारी की प्रशंसा कैसे की जाती है।

जज ने कहा था- अदालत के आदेश को लागू कराने जरूरत पड़ी तो नर्क भी एक कर दूंगा

वमध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे। उन्होंने यहां तक कहा था- अदालत के आदेश को लागू कराने के लिए जरूरत पड़ी तो मैं नर्क भी एक कर दूंगा। एसआईटी ने सरकार से केस चलाने की परमिशन मांगी, दो हफ्ते से लंबित सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था।

कोर्ट ने कहा- बहुत हुआ, आदेश का पालन करें

सुनवाई के दौरान जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंत्री का बचाव करते हुए कहा कि शायद उनके बयान को गलत समझा गया और वे महिला अधिकारी की प्रशंसा करना चाहते थे तो सीजेआई सूर्यकांत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। एक राजनेता के तौर पर उन्हें अच्छी तरह पता है कि किसी महिला अधिकारी की प्रशंसा कैसे की जाती है। कोर्ट ने स्ढ्ढञ्ज की स्टेटस रिपोर्ट का हवाला देते हुए टिप्पणी की कि मंत्री को इस तरह के कमेंट करने की आदत है। यह विवाद पिछले साल भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ की गई क्रॉस-बॉर्डर सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद शुरू हुआ था।कर्नल सोफिया कुरैशी ने इस ऑपरेशन की मीडिया ब्रीफिंग की थी।

कश्मीर में एडवांस हथियारों वाली 1500 विलेज गार्ड्स की फौज

जम्मू। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों ने गांव स्तर पर सुरक्षा तंत्र काफी मजबूत किया है। पिछले एक साल में पांच जिलों में 1500 से ज्यादा विलेज डिफेंस गार्ड्स (वीडीजी) को ट्रेनिंग दी गई है। इसमें हथियार चलाना, टैक्टिकल मूवमेंट, सर्विलांस व इमरजेंसी रिस्पॉन्स शामिल है। वहीं, .303 राइफल की जगह एसएलआर, बुलेटप्रूफ जैकेट व वायरलेस कम्युनिकेशन सेट भी दिए जा रहे हैं। ये ग्रामीण सीमाई इलाकों में जवानों के साथ 12-12 घंटे की ड्यूटी कर रहे हैं। राजौरी के अमित कुमार कहते हैं कि पिछले एक साल में कई बार घुसपैठ की कोशिशें हुईं, पर वीडीजी सदस्यों ने समय रहते सेना और पुलिस को अलर्ट किया। उनके मुताबिक गांव में कोई अजनबी आता है तो लोग तुरंत पहचानकर मूवमेंट की सूचना देते हैं। रात में सुरक्षा बलों के साथ जॉइंट पेट्रोलिंग भी होती है।

आतंकी घटनाएं 27.5प्र घटीं

पिछले एक साल में जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं से होने वाली मौतों में लगभग 27.5त्न की कमी दर्ज की गई है। जहां हमले से पहले वाले साल में कुल 127 मौतें हुई थीं, वहीं पिछले एक साल में यह आंकड़ा घटकर 92 रह गया है। हिंसा का सबसे गहरा असर पर्यटन पर पड़ा है। , जिससे पर्यटकों की सालाना संख्या 33 लाख से गिरकर 11.60 लाख रह गई है।

तीन दिन में दूसरी बार पानी व लिफ्ट को लेकर डॉक्टरों व छात्रों ने किया प्रदर्शन

- **अस्पताल गेट पर नारेबाजी, फिर कलेक्ट्रेट पहुंचकर दर्ज करवाया विरोध**

नगर संवाददाता, सतना।

शासकीय मेडिकल कॉलेज में बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर डॉक्टरों और छात्रों ने गुरुवार को प्रदर्शन किया। यह तीन दिन में दूसरी बार है जब उन्होंने पानी और लिफ्ट की समस्या के विरोध में आवाज उठाई। प्रदर्शनकारियों ने पहले अस्पताल गेट पर नारेबाजी की, फिर कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपना विरोध दर्ज कराया। छात्रों के अनुसार, कॉलेज में समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं, जिनका स्थायी समाधान नहीं हो रहा। हाल ही में इंटरनल पाइपलाइन फटने से पूरे परिसर में जलसंकट गहरा गया है। बीते शुक्रवार रात से पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। इस कारण छात्र, रेजिडेंट डॉक्टर और उनके परिवार गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे हैं। लोगों को बाल्टियों में पानी भरकर लाना पड़ रहा है, जबकि पीने के पानी के लिए बाहर से बोतलें खरीदनी पड़ रही हैं। कॉलेज परिसर में लगभग 650 लोग इस संकट से प्रभावित हैं, जिनमें 450 से अधिक छात्र-छात्राएं, रेजिडेंट डॉक्टर और करीब 200 डॉक्टरों के परिवार शामिल हैं।

30 में 28 बंद

पानी की कमी के साथ-साथ डॉक्टरों ने लिफ्ट व्यवस्था पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। दस मंजिला मेडिकल कॉलेज भवन में कुल 30 लिफ्ट हैं, जिनमें से 28 बंद पड़ी हैं। बिजली कटौती के कारण स्थिति और बिगड़ जाती है। लिफ्ट बंद होने से ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने में भारी दिक्कत आती है। कई बार मरीजों को सीढ़ियों से ऊपर ले जाना पड़ता है, जिससे पहले भी हादसे हो चुके हैं। इन समस्याओं के कारण दैनिक कार्य, पढ़ाई और कॉलेज की व्यवस्थाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

सतना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2026 को लेकर संशोधित आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार जनपद पंचायत रामपुर बाघेलान की ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची तैयार कराने हेतु पूर्व में नियुक्त रजिस्ट्रीकरण अधिकारी राजनारायण खरे के 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त होने के कारण उनके स्थान पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रामपुर बाघेलान सुभाष कुमार मिश्रा को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रामपुर बाघेलान को निर्देशित किया है कि वे राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार फोटोयुक्त मतदाता सूची का कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

समाधान समारोह विशेष लोक अदालत शिविर 21 से 23 अगस्त तक

सतना। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा समाधान समारोह योजना अंतर्गत विशेष लोक अदालत शिविर का आयोजन 21, 22 एवं 23 अगस्त को किया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित इस विशेष लोक अदालत में बैंकिंग एवं बीमा, सिविल (दीवानी), मोटर दुर्घटना प्रतिकर, उपभोक्ता विवाद, रेरा, पारिवारिक विवाद, वाणिज्यिक एवं आर्बिट्रेशन, भूमि अधिग्रहण, शासकीय सेवा, किराया नियंत्रण, सार्वजनिक परिसरों (बेदखली), श्रम एवं औद्योगिक विवाद सहित अन्य सभी समझौता योग्य प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव रूपाली उईके ने अधिवक्ताओं एवं संबंधित पक्षकारों से अपील की है कि वे अपने प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं।

हाइवा ने पिकअप को मारी टक्कर, एक दर्जन यात्री घायल

सतना। रामपुर बाघेलान थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-30 स्थित खुटहा में गुरुवार को तेज रफ्तार हाईवा की टक्कर से सड़क हादसा हो गया। इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के सामने पीछे से आए हाईवा वाहन ने एक पीकअप को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे पीकअप में सवार करीब एक दर्जन यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही डायल-112 में तैनात आरक्षक सचिन सिंह एवं पायलट अखिलेश तिवारी मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरपाटन पहुंचाया। बताया गया कि सभी यात्री बसामन मामा के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, वहीं घायलों की पहचान की जा रही है।

[उदासीनता] आर्किटेक्ट और शहर सरकार की लापरवाही का नतीजा, जागरूकता का भी अभाव

शासन की अनिवार्यता पर निगम प्रशासन की मनमानी, फीस जमा परंतु वाटर हार्वेस्टिंग नहीं

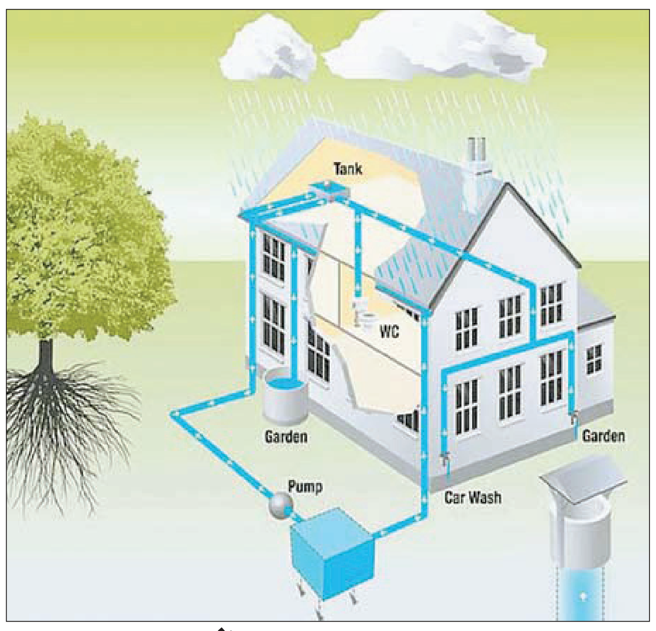

- **व्यवस्था फाइलों तक सीमित**

नगर संवाददाता, सतना।

गर्मी के मौसम के बाद मानसून आता है। इस दौरान बरसात का दौर शुरू होता है, बारिश के दिनों के बाद आगामी माह में मानसून रवाना भी हो जाएगा। हर साल बारिश के मौसम के पूर्व या उसके दौरान ही रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लेकर काफी प्रचार-प्रसार किए जाते हैं। इस साल कोई चर्चा ही इस पर नहीं हुई। यह किसी एक निर्धारित अवधि पर चर्चा का विषय नहीं है बल्कि इस सिस्टम को तैयार करने का कार्य कभी भी हो सकता है। बरसात के दिनों में इसका उपयोग बढ़ता है। शहर में नगर निगम की जवाबदेही है कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लेकर जन जागरुकता पैदा करे। लेकिन असल में सतना में यह पूरी व्यवस्था फाइलों तक सीमित हो गई है। आम लोगों को इसके लिए जागरुक करने के कार्यक्रम नहीं चलाए जा रहे हैं।

शासन ने कर रखी है अनिवार्यता

सरकार ने शहर में बनने वाले हर भवन के साथ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाए जाने की अनिवार्यता कर रखी है। जिसे नगर निगम प्रशासन ने केवल कागजों तक सीमित कर रखा है। आटोमेटिक बिल्डिंग एप्रूवल के लिए आवेदन के समय भवन के आकार के अनुसार रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की राशि भी जमा कराई जाती है।

ये है नियम

इस पर नियम है कि यदि भवन बनाने वाले ने स्वयं ही वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम यदि बनवा लिया है तो उसके द्वारा जमा की गई राशि नगर निगम वापस करेगा। यदि नहीं बनाया गया है तो उस राशि से निगम संबंधित के मकान के पास इसे बनाएगा, ताकि बारिश से एकत्र होने वाला पानी भूमि पर संचित किया जा सके। नगर निगम के इंजीनियरों के लिए यह योजना कमाई का प्रमुख जरिया बन चुकी है। नियम है कि भवन अनुज्ञा के बाद हर काम निगम के इंजीनियर अपनी देखरेख में कराएं लेकिन पहले वह नहीं जाते बाद में अनाधिकृत रूप से दबाव बनाते हैं।

आदेश-निर्देश तक सीमित

लंबे समय से नगर निगम को इसके लिए निर्देश आते रहे हैं कि वह वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लेकर जन अभियान चलाए ताकि लोग स्वयं आगे आए और अधिक संख्या में सिस्टम तैयार कर बारिश के पानी को व्यर्थ बहने से रोका जा सके। भूजल स्तर शहर का भी अब गर्मी के दिनों में काफी नीचे चला जाता है। सरकारी और निजी बोरिंग में राइजिंग पाइप बढ़ानी पड़ती है। शहर में नदियां होने की वजह से इसका फायदा भी मिलता है लेकिन नदियों का पानी भी सूखने लगता है तो भूजल स्तर भी नीचे चला जाता है। वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के माध्यम से इसमें सुधार किया जा सकता है।

राशि वापसी के नाम पर चल रहा खेल

नगर निगम के इंजीनियर और वार्डों में काम करने वाले टाइमकीपर एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा भवन बनवाने वालों के साथ मिलीभगत कर या फिर उन पर दबाव बनाकर जमा कराई गई रकम की वापसी में लंबा खेल किया जाता है। वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के नाम पर जो राशि जमा कराई जाती है, वह तभी लौटाने का प्रावधान है जब भवन के साथ उसका निर्माण संबंधित ने कराया हो। निगम के इंजीनियर कागजों में ही इसे सत्यापित कर जमा राशि वापस कराकर अपना कमीशन बना रहे हैं।

स्वस्थ नारी, सुरक्षित भविष्य एचपीवी टीकाकरण ही बचाव

- **9 से 45 वर्ष तक लगवा सकती हैं टीका**
- **महिलाओं तक जानकारी पहुंचाने लिया गया संकल्प**

नगर संवाददाता, सतना।

नई दिशा फाउंडेशन द्वारा महिलाओं को जागरूक करते हुए एचपीवी टीकाकरण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। महिलाओं को बताया गया कि एचपीवी वैक्सीनेशन सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह टीकाकरण 9 वर्ष से लेकर 45 वर्ष तक की महिलाएँ लगवा सकती हैं, जिससे महिलाएँ सर्वाइकल कैंसर के खतरे से सुरक्षित रह सकती हैं। साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि जो महिलाएँ 45 वर्ष से अधिक आयु की हैं, वे अपनी बहुओं, बेटियों एवं 9 वर्ष से अधिक आयु की नाती-पोतियों को यह टीकाकरण अवश्य करवाएँ, ताकि आने वाली पीढ़ी को इस गंभीर बीमारी से बचाया जा सके। फाउंडेशन की अध्यक्षा मनिषा सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने एवं नियमित जांच कराने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने इस जागरूकता अभियान की सराहना की और अधिक से अधिक महिलाओं तक यह महत्वपूर्ण जानकारी पहुँचाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉक्टर दीपशिखा शर्मा, सुषमा सिंह, डॉक्टर श्वेता ताम्रकार, मीनाक्षी नेमा, प्रीति शाह, रश्मि अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, गीता सिंह, शशिमा सिंह, सविता सिंह, रितु ताम्रकार व अनेक महिलाएं शामिल रहीं।

बगहा बस्ती से हटाई जाए शराब दुकान

- **रहवासियों ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन**
- **असामाजिक तत्वों का रहता है जमावड़ा**

नगर संवाददाता, सतना।

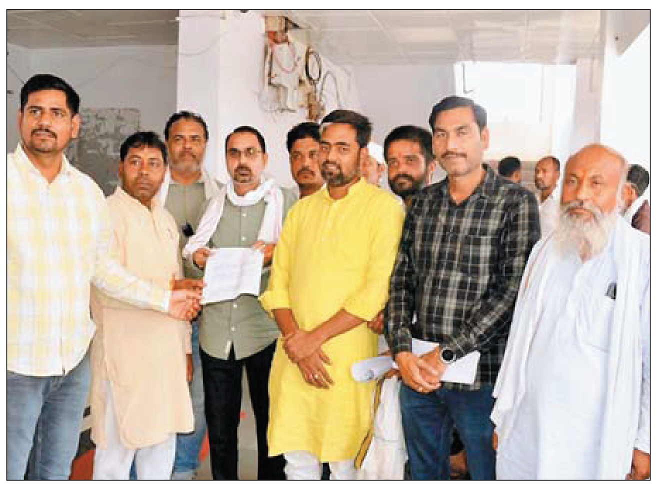

शहर के बगहा बस्ती के रहवासियों ने शराब दुकान हटाए जाने को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। बताया गया कि बगहा बस्ती वार्ड नं. 3 थाना सिविल लाईन में बस्ती के बीच शराब की दुकान खोल दी गई है। यहां पर कभी भी पहले शराब की दुकान नहीं खोली गई है, जहां पर शराब दुकान खोली गई है। वहां पर पुश्तैनी लोग रह रहे हैं। और समाजिक माहौल बना रहता है दुकान खुलने के बाद उसी दिन से सुबह से रात 12 बजे तक मोहल्ले में शराब पीने वाले लोग गाली गलौच करते रहते हैं। जिस स्थान में शराब की दुकान खोली गई है उस स्थान से स्कूल के बच्चे कॉलेज के बच्चे आते-जाते हैं। बताया गया कि शराब की दुकान के 50 मीटर से 200 मीटर तक बच्चों के स्कूल एवं शिक्षा संस्थान काफी नजदीक है। बताया गया कि शराबियों द्वारा शराब पीकर हल्ला किया जाता है।

बस्ती के रहवासियों ने कलेक्टर से गुहार लगाई है कि दो दिवस के अन्दर शराब की दुकान बंद करवाएं या फिर दूसरी जगह शिफट करवाएं। यदि इस स्थान से शराब की दुकान नहीं हटाई गई तो ग्रामवासी आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

विद्यार्थियों को मिलेगा दुर्गापुर एयरपोर्ट पर 6 दिवसीय लाइव एयरपोर्ट ट्रेनिंग का अवसर

नगर संवाददाता, सतना।

एविएशन सेक्टर में करियर बनाने का सपना देखने वाले विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। एयरडिविट उड़ान अकादमी प्राइवेट लिमिटेड, जो महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की ट्रेनिंग पार्टनर संस्था है, ने दुर्गापुर एयरपोर्ट के ऑपरेटर बंगाल एरोट्रोपोलिस प्रोजेक्ट्स लिमिटेड बीएपीएल के साथ 6 दिवसीय इंटेंसिव लाइव एयरपोर्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए एमओयू करने पर सहमति जताई है। बीएपीएल दुर्गापुर में भारत के पहले एयरपोर्ट एरोट्रोपोलिस मॉडल के डेवलपमेंट से जुड़ी महत्वपूर्ण संस्था है। यह प्रोजेक्ट वेस्ट बंगाल इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड-डब्ल्यूबीआईडीसी और चांगी एयरपोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जो चांगी एयरपोर्ट्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की सब्सिडियरी कंपनी है, जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़ा हुआ है। ऐसे एक्टिव एयरपोर्ट एनवायरनमेंट में ट्रेनिंग मिलना विद्यार्थियों के लिए एविएशन इंडस्ट्री को प्रैक्टिकल रूप से समझने का बड़ा अवसर होगा। इस 6 दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम में विद्यार्थियों को क्लासरूम लर्निंग के साथ-साथ रियल एयरपोर्ट ऑपरेशंस का प्रैक्टिकल एक्सपोजर दिया जाएगा। ट्रेनिंग में एयरपोर्ट ऑपरेशंस, एयर ट्रैफिक कंट्रोल कोऑर्डिनेशन, ग्राउंड हैंडलिंग, एयरपोर्ट सिक्योरिटी, इंजीनियरिंग, कमर्शियल ऑपरेशंस, पैसेंजर हैंडलिंग, रैम्प ऑपरेशंस, टर्मिनल मैनेजमेंट और ओवरऑल एयरपोर्ट वर्कफ्लो जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल होंगे। सिद्धार्थ बोस, डीजीएम ह्व एयरपोर्ट ऑपरेशंस, ने बताया कि इस प्रोग्राम को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि विद्यार्थियों को एयरपोर्ट ऑपरेशंस का पूरा 360 डिग्री एक्सपोजर मिल सके। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी यह समझ पाएंगे कि एयरपोर्ट के अलग-अलग डिपार्टमेंट सुरक्षित, सुचारू और समयबद्ध फ्लाइट ऑपरेशंस के लिए किस प्रकार कोऑर्डिनेशन में काम करते हैं। यह ट्रेनिंग विद्यार्थियों को एविएशन डिसिप्लिन, सेफ्टी स्टैंडर्ड्स, ऑपरेशनल प्रोसीजर्स, कोऑर्डिनेशन सिस्टम और प्रोफेशनल एयरपोर्ट एनवायरनमेंट को समझने में मदद करेगी। एयरडिविट उड़ान अकादमी की यह पहल विंध्य रीजन के युवाओं को एयरपोर्ट ऑपरेशंस, एयरलाइंस, ग्राउंड हैंडलिंग, कार्गो, एविएशन सिक्योरिटी और पैसेंजर सर्विसेज जैसे तेजी से बढ़ते सेक्टर्स में करियर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

शिवांशु सोनी ने फेमिना मिस इंडिया ग्रैंड फिनाले में दी प्रस्तुति

नगर संवाददाता, सतना।

जिले के प्रतिभाशाली डांसर और कोरियोग्राफर शिवांशु सोनी ने देश के प्रतिष्ठित फेमिना मिस इंडिया ग्रैंड फिनाले में अपनी शानदार प्रस्तुति देकर जिले का नाम रोशन किया है। भुवनेश्वर में आयोजित इस आयोजन में 15 हजार से अधिक दर्शकों और फिल्म एवं मनोरंजन जगत की नामचीन हस्तियों के बीच शिवांशु ने भारतीय संस्कृति और आधुनिक डांस का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में जज की भूमिका में वरिष्ठ अभिनेत्री ज़ीनत अमान, नेहा धूपिया, टेरेंस लुईस और अमाल मलिक मौजूद रहे। वहीं मंच पर ईशान खट्टर, लॉरेन गॉटलिब और जुबिन नौटियाल जैसे कलाकारों ने भी प्रस्तुति दी। शिवांशु का विशेष परफॉर्मेंस 8 मई को जी5 ऐप जूम टीवी चैनल पर दोपहर 2 बजे प्रसारित किया जाएगा।

पीएटी की परीक्षा के लिए उड़नदस्ता दल गठित

नगर संवाददाता, सतना।

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा आयोजित प्री-एग्रीकल्चर टेस्ट (पीएटी) की परीक्षा 8 मई को सतना जिले के 3 परीक्षा केन्द्रों में दो पाली में आयोजित की जा रही है। जिसमें आदित्य कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस सतना, आदित्य कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एवं मां मीरा कान्वेन्ट हायर सेकेण्डरी स्कूल डाली बाबा में परीक्षा आयोजित की जायेगी। परीक्षा का प्रथम पाली प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं द्वितीय पाली दोपहर 2.30 बजे से सायं 5.30 बजे आनलाइन परीक्षा आयोजित की गई है। परीक्षा में अभ्यर्थियों की रिपोटिंग का समय प्रथम पाली प्रातः 7 बजे से प्रातः 8.30 बजे तक एवं द्वितीय पाली में दोपहर 12.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्धारित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा सहायक समन्वयक, प्रशासनिक आब्जर्वर, उडनदस्ता दल तथा आब्जर्वर का गठन किया गया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार परीक्षाओं के सुचारू रूप से संचालन के लिए अपर कलेक्टर विकास सिंह को सहायक समन्वयक, डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते को परीक्षा प्रभारी, डीएसपी देवेन्द्र प्रताप सिंह को सुरक्षा समन्वयक बनाया गया है।

[समीक्षा] 'पंख' कार्यक्रम के तहत जन अभियान परिषद की जिला स्तरीय बैठक आयोजित

सामाजिक चुनौतियों के समाधान में स्वैच्छिक संगठनों की अहम भूमिकाः कलेक्टर

नगर संवाददाता, सतना।

जन अभियान परिषद द्वारा स्वैच्छिक संगठनों के सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित 'पंख' कार्यक्रम के तहत गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने की। कलेक्टर डॉ. एस ने कहा कि मझगवां का बरौंधा और उचेहरा का परसमनिया क्षेत्र जनजातीय बाहुल्य हैं। जहां शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पोषण, अशिक्षा, अंधविश्वास और पलायन जैसी समस्याएं प्रमुख हैं, जिनके समाधान के लिए प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं को मिलकर कार्य करना होगा। कलेक्टर ने विशेष रूप से बाल विवाह, कम उम्र में मातृत्व और झाड़-फूंक जैसी कुप्रथाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए इनके विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित चिकित्सा सेवाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाना आवश्यक है, जिससे समाज स्वस्थ और जागरूक बन सके।

कार्यों की प्रगति प्रस्तुत

जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले में अब तक किए गए कार्यों की प्रगति प्रस्तुत की। संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक ने बताया कि पंख कार्यक्रम का उद्देश्य स्वैच्छिक संगठनों और प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित कर उनके कार्यों को व्यापक स्तर पर विस्तार देना है। इसके अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत उत्कृष्ट एनजीओ की पहचान कर उनकी विशेषज्ञता के आधार पर डायरेक्ट्री तैयार की जाएगी। बैठक में जल गंगा संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण, आदर्श ग्राम विकास, पोषण उन्मूलन, सामाजिक समरसता, महिला एवं बाल सशक्तिकरण सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही सीएसआर फंड के माध्यम से सामाजिक विकास कार्यों को बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई।

ये रहे मौजूद

बैठक में अपर कलेक्टर विकास सिंह, संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक, जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी, कार्यक्रम में विकासखण्ड समन्वयक प्रदीप तिवारी, ममता सिंह, विजयेन्द्र जड़िया, अरूण प्रताप सिंह, श्याम सुन्दर मिश्रा, अनूप कुमार पाठक, आदित्य दहायत, सुमित प्रजापति, आकाश तिवारी, धीरज प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

निर्माण कार्य का महापौर स्पीकर ने किया भूमिपूजन

नगर संवाददाता, सतना।

महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने वार्ड क्रमांक 11 घूरडांग में 36 लाख की लागत से बनने वाली पेवर रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। यह सडक़ निर्माण कार्य क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा प्रदान करेगा एवं वार्ड के विकास को नई गति देगा। इस अवसर पर स्पीकर राजेश चतुर्वेदी (पालन), निर्माण समिति अध्यक्ष गोपी गेलानी, वार्ड पार्षद केके सिंह, आर्मी रिटायर्ड लालमणी सिंह, इंजीनियर, संविदाकार एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय ज्ञान परंपरा पर पुस्तक का द्वितीय खंड प्रकाशित

रीवा, नगर संवाददाता। शासकीय माधव सदाशिवराव गोलवलकर महाविद्यालय रीवा ने भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयाम पुस्तक के द्वितीय खंड का प्रकाशन कर भारतीय ज्ञान को नई ऊँचाई प्रदान की। प्रोफेसर स्कंद मिश्रा, संपादक एवं समन्वयक भारतीय ज्ञान परंपरा ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबिनार सीरीज के 56 चुनिंदा व्याख्यानों के आलेख इस पुस्तक में संकलित हैं। ये व्याख्यान देश-विदेश के ख्यातिनाम विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं। पुस्तक में वेदों के ज्ञान सूत्रों से लेकर परंपरागत कृषि, जल प्रबंधन, मंदिर शिल्पकला, चित्रकला, आदिम रॉक पेंटिंग तक विविध विषय शामिल हैं।

इसके अलावा धर्म के मूल तत्व, रामायण में निहित धर्म, प्राचीन वर्षा जल संरक्षण, खगोल विज्ञान, तमिल, संस्कृत साहित्य की ज्ञान परंपरा, पंचकोशी शिक्षा, भारतीय पुरातत्व, संस्कृति, दर्शन और जैव विविधता, आदिवासी संस्कृति आदि पर रोचक आलेख समाहित हैं। ये आलेख ज्ञानवर्धक होने के साथ-साथ पाठकों के लिए प्रेरणादायक हैं।उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय ने विगत वर्ष प्रथम खंड जारी किया था, जिसमें 45 आलेख संकलित थे। दोनों खंड पीडीएफ फॉर्मेट में नि:शुल्क उपलब्ध हैं, जिससे शोधार्थी और ज्ञान प्रेमी आसानी से लाभान्वित हो सकें। यह प्रकाशन भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक पटल पर मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

संत रविदास योजनान्तर्गत आवेदन आमंत्रित

रीवा। वित्तीय वर्ष 2026.27 में संत रविदास स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत जिले के अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों से आवदेन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। आवेदक की उम्र 18 से 45 वर्ष के वीच होए आवेदक की शैक्षणिक योग्यता न्युनतम 8वीं उत्तीर्ण हो आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रूपये से अधिक न हो। वह जिले का निवासी हो एवं जाति तथा निवास प्रमाण पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा जारी होना चाहिये।

[कार्रवाई] मांगे थे 80 हजार और 9500 लेते हुए रेडहैण्ड हो गए

तहसीलदार के बाबू को लोकायुक्त ने किया ट्रेप

■ त्योंथर का मामला, प्रकरण पक्ष में करने ली गई रिश्वत

रीवा, नगर संवाददाता।

राजस्व विभाग की धमनियों में भ्रष्टाचार का लहू दौड़ रहा है, इसका प्रत्यक्ष प्रमाण रिश्वतखोरी में लोकायुक्त के हाथों आए दिन ट्रेप हो रहे विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं उनके दलाल हैं। लोकायुक्त रीवा के रिकॉर्ड में सर्वाधिक ट्रेप प्रकरण राजस्व विभाग के दर्ज होंगे। कोई भी काम यहां बिना घूस नहीं होता है। सरकार भ्रष्टाचार में जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है और उसके ही अधिकारी-कर्मचारी भ्रष्टाचार की दीमक बन सिस्टम को खोखला कर रहे हैं। गुरुवार 7 मई 2026 को लोकायुक्त रीवा के एसपी सुनील कुमार पाटीदार के प्रभारी निर्देशन में जिले के अंदर त्योंथर तहसील में एक ट्रेप आयोजित किया गया जो सफल रहा। तहसील कार्यालय में ही बाबू अनिल कुमार त्रिपाठी को 9500 रुपए रिश्वत लेते हुए धरदबोचा गया। बुधवार को लोकायुक्त रीवा द्वारा शहडोल जिले के अन्तर्गत ब्यौहारी तहसील में ट्रेप की कार्रवाई की गई थी।

एसडीएम के बाबू को 15 हजार रुपए घूस लेते हुए रंगेहाथों गिरफ्तार किया गया था और उसके ही दूसरे दिन रीवा जिले में अन्तर्विष्ट त्योंथर तहसील में लोकायुक्त की रेड हो गई। तहसीलदार त्योंथर के अधीन चाकघाट सर्किल में पदस्थ लिपिक अनिल कुमार त्रिपाठी को 9500 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों गिरफ्तार किया गया। उक्त ट्रेप को दोपहर अंजाम दिया गया उसके उपरांत अपचारी को पूछताछ के लिए तथा अन्य दस्तावेजी कार्रवाई के लिए जनपद कार्यालय त्योंथर लाया गया, जहां देर शाम तक कार्रवाई जारी रही। थाना जनेह अंतर्गत ग्राम डाढ़ा कला निवासी अजय मिश्रा पिता स्व. रामकृष्ण मिश्रा 35 वर्ष की शिकायत पर लोकायुक्त रीवा द्वारा यह ट्रेप कार्रवाई की गई।

बिना शह नहीं होता कार्यालयीन भ्रष्टाचार

यहां ध्यान देने योग्य बात है कि कहने को चाहे कोई कुछ कहे लेकिन किसी भी विभाग अथवा दफ्तर में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं मातहतों द्वारा की जाने वाली घूसखोरी की जानकारी अधिकारियों को होती है। अपवादस्वरूप को छोड़कर अधिकांश अधिकारी अप्रत्यक्ष रूप से उस भ्रष्टाचार में भागीदार होते हैं, क्योंकि उनकी शह बिना अधीनस्थों में इतनी हिम्मत नहीं होती है। तहसीलों में राजस्व अधिकारी बैठे रहते हैं और उनकी नाक के नीचे बैठा बाबू, रीडर, पेशकार, प्रवाचक पक्षकारों से कभी पेशी की तारीख बढ़ाने के नाम तो कभी अन्य वजह से घूस लेता है, क्या अधिकारियों को दिखाई नहीं देता है? अधिकारियों के बाबू ही अनुचित लेन-देन का सिस्टम बनाते हैं। राजस्व अधिकारियों का वरदहस्त प्राप्त बाबू ही फैसला आदि किसी के पक्ष में कराने की गारंटी लेगा? चाकघाट सर्किल के भ्रष्टाचार बाबू त्रिपाठी के प्रकरण में त्योंथर तहसीलदार की भूमिका क्या है, फिलहाल स्पष्ट कुछ भी नहीं है।

बेदखली की कार्रवाई का दिखाया गया डर

ग्राम डाढ़ाकला निवासी अजय मिश्रा ने 4 मई 2026 को लोकायुक्त कार्यालय रीवा में उपस्थित होकर लिखित आवेदन प्रस्तुत किया था जिसमें बताया गया कि तहसील कार्यालय त्योंथर में पदस्थ बाबू अनिल कुमार त्रिपाठी द्वारा बेदखली के दर्ज प्रकरण का निराकरण करवाते हुए प्रकरण मेरे पक्ष में करवाने के एवज में तथा बेदखली की कार्रवाई का डर दिखाकर 80 हजार रुपए रिश्वत की मांग की जा रही है। लोकायुक्त एसपी सुनील कुमार पाटीदार द्वारा शिकायती आवेदन के आधार पर सत्यापन कराया तो प्रथमदृष्टया आरोप प्रमाणितत हो गया। सत्यापन की कार्यवाही दौरान तहसीलदार के बाबू द्वारा रिश्वत की मांग की गई। अपचारी बाबू के विरुद्ध धरा 7 (क) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधन अधिनियम 2018 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध करते हुए ट्रेप आयोजित किया गया। डीएसपी प्रवीण सिंह परिहार के नेतृत्व में 12 सदस्यीय टीम जिसमें निरीक्षक एस. राम मरावी भी शामिल थे, त्योंथर भेजी गई, जिसने अपचारी को शिकंजे में लेने में किसी प्रकार की चूक नहीं की। लगातार दूसरे दिन हुई ट्रेप कार्रवाई ने राजस्व विभाग के भीतर घुसे बैठे बेईमान चरित्र को सरेराह नंगा कर दिया है।

हमारी जमीन और हम पर ही मुकदमा

शिकायतकर्ता ने मीडिया को बताया कि उसके खिलाफ बेदखली का मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। हमारी जमीन और हम पर ही मुकदमा किया गया था। बिना किसी सूचना फर्जी तरीके से नक्शा तरमीम करा लिया गया था। उसी प्रकरण में तहसीलदार के बाबू अनिल 80 हजार रुपए रिश्वत में मांग रहे थे अन्यथा की स्थिति में बेदखल किए जाने का भय दिखा रहे थे। विवश होकर लोकायुक्त में शिकायत की गई। शिकायतकर्ता अजय मिश्रा के मुताबिक बाबू ने साढ़े नौ हजार रुपए रिश्वत में आज लिए और लोकायुक्त के हाथों पकड़े गए।

इनका कहना है..

तहसीलदार का बाबू ट्रेप हुआ है। रिश्वत की मांग करने की शिकायत प्राप्त हुई थी। पीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। चूंकि मामला तहसील का है इसलिए तहसीलदार की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

सुनील कुमार पाटीदार पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त संभाग रीवा

डीआईजी ने जिले के थाना प्रभारियों की लगायी क्लास

■ सीएम हेल्पलाइन के लम्बित मामलों को गंभीरता से दूर करने के सख्त निर्देश

रीवा, नगर संवाददाता।

उप पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन हेमंत सिंह चौहान ने बुधवार को थाना प्रभारियों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से क्लास लगाई।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में रीवा जिले की स्थित ठीक नहीं है वह 26 वें स्थान पर है जबकि सिंगरौली और सीधी जिले टॉप टेन में है। जानकारी दी गई कि सिंगरौली प्रदेश में दूसरे स्थान पर व सीधी आठवे स्थान पर वहीं सतना 20 स्थान पर है। डीआईजी ने वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संबंधित थाना प्रभारियों से समस्याओं के निराकरण में आ रही समस्याओं की भी जानकारी ली साथ ही निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं को संतुष्ट कर संबंधित समस्याओं का निराकण शीघ्र करवाए। फिलहाल रीवा और सतना जिले की हालत सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में सबसे खराब है जबकि मैहर 13वें और मऊगंज 15वें स्थान पर है। डीआइजी ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए है।

पर्याप्त मात्रा में है खाद का भण्डारण

रीवा। खरीफफसलों की बोनी की तैयारी हेतु प्रदेश में खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। वर्तमान स्थिति में लगभग 6.40 लाख मेट्रिक टन यूरिया, 1.57 लाख मेट्रिक टन डीएपी, 3.56 लाख मेट्रिक टन एनपीके इस प्रकार 5.13 लाख मेट्रिक टन डीएपी एनपीके तथा 3.50 लाख मेट्रिक टन एसएसपी खाद उपलब्ध है। विषम वैश्विक परिस्थितियों के उपरांत भी भारत सरकार द्वारा प्रदेश में उर्वरको की आपूर्ति निर्बाध तथा तय कार्यक्रम अनुसार निरंतर की जा रही है। प्रदेश में उक्त उपलब्ध खाद सोसायटीवार, मार्कफेड के डबल लॉक केंद्रवार, निजी दुकानवार ई.विकास पोर्टल पर उपलब्ध है। पसंचालक कृषि कल्याण यूपी बागरी ने किसान भाइयो से अनुरोध किया है कि आवश्यकतानुसार अपनी सोसायटी/मन पसंद दुकान से ई.विकास पोर्टल के माध्यम से बुकिंग कर अपने खाद को उठा सकते है।

डम्फर ने कार को मारी ठोकर,300 मीटर तक घसीटा

बाल-बाल बचे लोग,चकनाचूर हुआ वाहन

रीवा, नगर संवाददाता।

शहर के चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत करहिया मंडी के समीप बीती देर रात तकरीबन 2 बजे तेज रफ्तार जागरण,डंपर ने कार को अपनी चपेट में ले लिया। अचानक डंपर व कार की भिड़ंत हो गई इस दौरान कार डंपर और डिवाइडर से टकराते हुए करीब तीन सौ मीटर घसिटती हुई चली गई। गनीमत रही की इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। फिलहाल कार बुरी तरह क्षतिग्रसत हुई है। कार चालक ने मामले की सूचना चोरहटा पुलिस को दी है। मिली जानकारी के मुताबिक बीती देर रात तकरीबन 2 बजे एक कार रीवा शहर से करहिया मंडी की ओर जा रही थी

इसी दौरान करहिया मंडी के समीप पीछे से आ रहे रेत से लोड तेज रफ्तार डंपर ने कार को जोरदार टक्कर मार दी जिससे कार डंफर के अगले हिस्से में फस गई डंफर चालक ने वाहन को रोकने की बजाय कार को घसीटते हुए तकरीबन 300 मीटर दूर ले गया जब कार डिवाइडर में फंस गई तो डंफर सहित चालक मौके से फरार हो गया। इस दौरान घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने डंपर को रोकने का भी प्रयास किया लेकिन वह फरार हो गया। फिलहाल चोरहटा पुलिस दुर्घटनाकारित करने वाले डंपर की तलाश में लगी हुई है।

कलेक्टर ने करहिया मंडी गेंहू खरीदी केन्द्र का किया औचक निरीक्षण

■ उपार्जित गेंहू की बोरी का तौल कराया, गुणवत्ता देखी

रीवा, नगर संवाददाता।

कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने करहिया मंडी गेंहू उपार्जन केन्द्र का औचक निरीक्षण किया तथा वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने उपार्जित किये जा रहे गेंहू की बोरी का अपने सामने तौल कराया और गेंहू की गुणवत्ता को देखा। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि उपार्जित गेंहू का तेजी से परिवहन करायें। उन्होंने कहा कि अब बड़े किसानों का गेंहू आ रहा है जिससे आवक ज्यादा हो रही है। अतः परिवहन को और तेजी से करायें।

उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए खरीदी केन्द्र में की गई व्यवस्थाओं और सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। किसानों ने कलेक्टर को बताया कि खरीदी केन्द्र में सभी सुविधाएं की गई हैं। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिये कि मंडी में कैन्टीन का टेण्डर कराकर उसका संचालन सुनिश्चित करायें। उन्होंने मंडी परिसर में गंदगी पाये जाने पर संबंधित सफाई एजेंसी पर पांच हजार रूपये का अर्थदण्ड लगाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश ताण्डेकर, महाप्रबंधक सहकारी बैंक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय सहित उपार्जन से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा की प्रचंड जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

रीवा, नगर संवाददाता।

भारतीय जनता पार्टी एवं एनडीए गठबन्धन की ऐतिहासिक एवं प्रचंड विजय के उपलक्ष्य मे हनुमना नगर के भाजपा कार्यालय में आतिश बाजी एवं मिठाई खिलाकर विजय उत्सव मनाया गया इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं समर्थको ने एक दूसरे को शुभकामनाएं प्रेषित कर उत्साहपूर्वक विजय का जश्न मनाया गया कार्यक्रम में बंगाल में भाजपा के बढ़ते जनाधार आसाम में लगातार तीसरी बार मिली ऐतिहासिक जीत तथा

पॉन्डचेरी में एनडीए गठबन्धन की सफलता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व कुशल संगठन एवं जनकल्याणकारी नितियों का परिणाम बताया गया कार्यकर्ताओं में अपार उत्साह ऊर्जा एवं विजय का उल्लास देखने को मिला यह विजय राष्ट्रवाद विकास सुशासन एवं जनविश्वास की जीत है इस अवसर पर हनुमना नगर के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे नगर परिषद अध्यक्ष सोनू आशुतोष गुप्ता विधायक निजी रामानंद पटेल नगर परिषद पूर्व उपाध्यक्ष मोहनलाल कचेर ज्योति गुप्ता तारकेश्वर गुप्ता गुड्डा जय गुप्ता केडी शुक्ला सुमित गुप्ता अंजनी लाल गुप्ता देवराज जायसवाल विशाल गुप्ता रोहित गुप्ता पवन पाल सिंघम भाजपा नेत्री भाजपा मंडल उपाध्यक्ष प्रीति गुप्ता लवकुश गुप्ता आदि भाजपा कार्यकर्ताओं जीत का उल्लास मनाया

कमिश्नर ने लोक निर्माण विभाग पीआईयू के कार्यों की समीक्षा की

भवन निर्माण के सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय सीमा में पूरा करना सुनिश्चित करेंः कमिश्नर

रीवा, नगर संवाददाता।

कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग पीआईयू द्वारा संभाग में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि भवन निर्माण के सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय सीमा में पूरे कराये जाय। उन्होंने संभाग अन्तर्गत स्वीकृत 30 सांदीपनि विद्यालयों के निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि कार्यों को तत्परता के साथ जून माह तक पूर्ण करा लें ताकि नवीन शिक्षण सत्र से भवन में विद्यालय संचालित होने लगे। उन्होंने कहा कि जहां भी कुछ बाधायें आ रही है उनका समन्वय बनाकर निराकरण सुनिश्चित करें।

कमिश्नर कार्यालय में

आयोजित बैठक में कमिश्नर ने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों में अंडरग्राउंड वाटर टैंक का निर्माण अवश्य करायें ताकि जल जीवन मिशन द्वारा कराये जा रहे कार्य से विद्यालय में पानी की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी निर्माण कार्यों का लगातार भ्रमण कर निरीक्षण करें तथा कार्यों की गुणवत्ता को देखें और समय.समय पर टेस्टिंग लैब में गुणवत्ता परीक्षण भी करायें। इस अवसर पर बताया गया कि मेडिकल कालेज रीवा में निर्माणाधीन पीजी छात्रावास का निर्माण कार्य जुलाई तक पूर्ण करा लिया जायेगा। इसी प्रकार पुर्नघनत्वीकरण योजना से रीवा मेडिकल कैंपस में निर्माणाधीन आवासों का भी निर्माण कार्य भी जून तक पूर्ण कर लिया जायेगा। शासकीय ई.टाइप के आवास अगस्त माह तक पूर्ण करा लिये जायेंगे।

कमिश्नर ने पशु चिकित्सालय कार्यालय भवन तथा उससे लगे अन्य कार्य एवं आयुर्वेद कालेज में निर्माणाधीन कार्यों को त्वरित गति से कराते हुए पूर्ण कराने के निर्देश दिये। इस अवसर पर बताया गया कि संभाग में भवन निर्माण विभाग द्वारा 156 कार्य कराये जा रहे हैं। बैठक में संभागवार कार्यों की अद्यतन जानकारी संबंधित कार्यपालन यंत्री द्वारा प्रस्तुत की गयी।

इस दौरान संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, मुख्य अभियंता लोक निर्माण एससी वर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने सड़क निर्माण कार्य की समीक्षा की

कमिश्नर बीएस जामोद ने लोक निर्माण विभाग द्वारा संभाग में कराये जा रहे सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि वन भूमि के प्रकरणों में समन्वय बनाकर निराकृत कराते हुए सड़क निर्माण कार्य करायें। उन्होंने निर्माण कार्य में भूअर्जन की कार्यवाही करते हुए धारा 11 व धारा 19 की प्रक्रिया को संपन्न कराने के निर्देश दिये। कमिश्नर ने विभाग द्वारा प्लान, मजबूतीकरण, विशेष मजबूतीकरण, सीआईआईएफ तथा नवीनीकरण मद के कार्यों की जानकारी ली। मंडी निधि से स्वीकृत कार्यों की अद्यतन जानकारी न होने पर कमिश्नर ने अप्रसन्नता व्यक्त की। इस दौरान मुख्य अभियंता लोक निर्माण केके लक्ष्ये सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मेडिकल दुकानों में चल रही क्लीनिक, ड्रग इंस्पेक्टर मौन,कार्यवाही से परहेज

रीवा, नगर संवाददाता।

मऊगंज जिले में मेडिकल दुकानें नियमों के विपरीत संचालित किये गये हैं। इतना ही नहीं कई मेडिकल दुकान बाहर के डॉक्टर को बुलाकर अवैध रूप से क्लीनिक भी चला रहे हैं। इस पर ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है,जिससे मेडिकल दुकानों के हौसले बुलंद होते दिख रहे हैं। मऊगंज जिला सहित अन्य क्षेत्रों में ड्रग इंस्पेक्टर के ढुलमुल रवैया के चलते मेडिकल की दुकानें पूरी तरह से परचून की दुकान सी प्रतीत होती है। उचित विधिक कार्यवाही के अभाव में आवश्यक नियमों की खुले आम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। डीआई की लचर व्यवस्था के चलते बाजार का आलम कुछ इस तरह हो चला है कि ज्यादातर मेडिकल स्टोर संचालकों का पूरा व्यापार ही सिर्फ कलकुलेटर के सहारे चल रहा है। मेडिकल स्टोर से दवाईयां क्रय करने के बाद अगर कोई उपभोक्ता बिल की मांग करता है तो उसे कल और परसों की डेट दे दी जाती है।

लायसेंस किसी और के नाम,संचालक कोई और

जानकारों की मानें तो नये नीति के तहत हर उपभोक्ता को क्रय की सामग्री का बिल देना अनिवार्य है। अगर कोई दुकानदार ऐसा करने में आनाकानी करता है तो शासन द्वारा इनसे निपटने के लिये सख्त कानून की व्यवस्था की गई है। लेकिन मऊगंज जिले में ज्यादातर मेडिकल दुकानों का रजिस्ट्रेशन किसी और के नाम से है और संचालित कोई और कर रहा है। अगर मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया जाए तो ज्यादातर दुकानों पर फार्माशिष्ट गायब ही मिलेगे, जो कि सिर्फ कागजों में देखने को मिलते हैं। शेष समय अयोग्य व्यक्ति द्वारा बिना जानकारी के यूं ही दवाई विक्रय की जाती है। ग्राहकों को क्रय किये गये दवाईयों के बिल न देने की एक वजह यह भी मानी जा रही है कि मेडिकल की दुकानों पर फार्माशिष्ट के कभी दर्शन ही नहीं मिलते हैं। सूत्रों की मानें तो मऊगंज जिले में ये अधिकारी कपड़ों की भाति बदले जाते हैं। मऊगंज जिले के प्रभारी ड्रग इंस्पेक्टर जिसके चलते बाजार एवं क्षेत्र में तानाशाही पूर्ण रवैया हावी हो चुका है।

इन जगहों पर संचालित हैं दुकानें

शासन द्वारा बनाये गये नियमों की वर्तमान समय में खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है जिसमें खासतौर पर ग्रामीण अंचलों में कई ऐसे मेडिकल स्टोर हैं जहाँ रजिस्ट्रेशन की बात तो दूर कई दुकाने झोलों में संचालित हो रही हैं। जिले के ज्यादातर दुकानों में कई बार एक्सपाइरी दवाईयां भी देखने को मिल जाती हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही जीएसटी को पूर्णत: शिथिल किया जा चुका है। जीएसटी कर जो टैक्स भारत सरकार के खाते में जानी चहिये वह दो नम्बर की काली कमाई में जा रही है। बाहर से डॉक्टरों के नाम पर जनता को गुमराह करने का काम ऐसे मेडिकल स्टोर संचालकों द्वारा लगातार किया जा रहा है। आखिर ड्रग इंस्पेक्टर सहित जिला प्रशासन इस पर एक्शन क्यों नहीं ले रही है।

संपादकीय

ममता की जिद

चुनाव में करारी पराजय के बावजूद ममता बनर्जी ने नया प्रलाप शुरू किया है कि वह 'लोकभवन' जाकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी। वह चुनाव में हारी नहीं हैं, तो इस्तीफा क्यों दें? वह चुनाव नहीं हारी हैं, बल्कि उनकी 100 सीटें जबरन लूट ली गई हैं। चुनाव आयोग 'मुख्य खलनायक' है और देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की निगरानी में यह 'चुनावी लूट' की गई है। ममता का बेहद गंभीर आरोप है कि मतगणना केंद्र में उनके पेट और उनकी पीठ पर लातें मारी गई। उन्हें धकिया कर मतगणना केंद्र से बाहर निकाल दिया गया। ये आरोप हिंसात्मक भी हैं। जब ममता बनर्जी मतगणना केंद्र में गई थीं, तो वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री थीं और भवानीपुर सीट पर उम्मीदवार भी थीं। सवाल और भी आश्चर्यजनक है कि एक सार्वजनिक स्थल पर कोई भी एक मुख्यमंत्री, महिला मुख्यमंत्री, पर हिंसात्मक हमला कैसे कर सकता है? सुरक्षाकर्मी कहां थे? ऐसे हमले की प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? क्या कोई साक्षी है उस हमले का? बहरहाल ममता बनर्जी ने 'चुनावी लूट' का नया नारा दिया है। इस मुद्दे पर अब वह सड़कों पर संघर्ष करेंगी और फिर सत्ता में लौटेंगी। बेशक ममता योद्धा किस्म की नेता रही हैं। हार के बाद ममता बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें अथवा न दें, लेकिन 7 मई के बाद वह खुद ही 'पूर्व मुख्यमंत्री' हो गई हैं। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 7 मई तक ही है। चुनाव आयोग ने असम और बंगाल के नवनिर्वाचित विधायकों की अधिसूचनाएं संबद्ध राज्यपालों को भेज दी हैं। अब राज्यपाल 'प्रोटेम स्पीकर' की नियुक्ति कर सभी विधायकों को शपथ दिलाएंगे। जब नई विधानसभा गठित होगी और ममता विधायक भी नहीं होंगी, तो मुख्यमंत्री कैसे बनी रह सकती हैं? नए मुख्यमंत्री और कैबिनेट 9 मई को शपथ ग्रहण कर सकते हैं।

दरअसल संविधान के अनुच्छेद 154 में स्पष्ट उल्लेख है कि राज्य की कार्यपालिका की तमाम शक्तियां राज्यपाल में निहित होती हैं। राज्यपाल खुद या अधीनस्थ अधिकारियों (मुख्यमंत्री, मंत्रिगण) के जरिए उन शक्तियों का इस्तेमाल करते हैं। राज्यपाल चाहें, तो वह मुख्यमंत्री को हटा भी सकते हैं, क्योंकि ऐसी नियुक्ति राज्यपाल के 'प्लेजर' तक ही सीमित होती है। यह अलग मुद्दा है कि मुख्यमंत्री को सदन में 'सामान्य बहुमत' प्राप्त होना चाहिए। यदि बहुमत या विश्वास का परीक्षण किया जाना है, तो उसका अंतिम निर्णय 'सदन' में ही होगा, लेकिन कोई भी निवर्तमान मुख्यमंत्री, चुनाव के बाद, सत्ता-हस्तांतरण से एकदम पहले इस्तीफा देने से इंकार नहीं कर सकता। जिसके पक्ष में जनादेश के निर्णायक आंकड़े हैं, वही सत्तारूढ़ होगा। ममता को जनादेश 'लूट' लगता है, तो डाटा और दलीलों के साथ सर्वोच्च अदालत में जाएं। ममता ने 'चुनावी लूट' का जो प्रलाप शुरू कर राज्यपाल को इस्तीफा सौंपने से इंकार का जो बयान दिया है, वह लोकतंत्र और संविधान के साथ भद्दा मजाक है। देश में शायद ही किसी भी मुख्यमंत्री ने, चुनाव हारने के बाद, इस्तीफा देने से इंकार किया हो! लोकतंत्र ने ममता बनर्जी के खिलाफ निर्णायक जनादेश दिया है, उसे विनम्रता से स्वीकार करना चाहिए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन और केरलम के मुख्यमंत्री विजयन ने चुनावी पराजय के बाद इस्तीफे दे दिए हैं। उन राज्यों में सत्ता-हस्तांतरण की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। देश के किसी प्रधानमंत्री ने भी जनादेश के बाद पद छोड़ने में विलंब नहीं किया। यही भारत के लोकतंत्र की खूबसूरती और ताकत भी है। बहरहाल अब ममता बनर्जी के 'लूट' वाले नारे को राहुल गांधी, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे, केजरीवाल, हेमंत सोरेन, तेजस्वी यादव सरीखे विपक्षी नेताओं ने समर्थन के ऐलान किए हैं।

तमिलनाडु : थलपति विजय की क्वांटम लीप

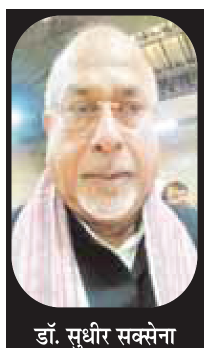

डॉ. सुधीर सक्सेना
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

क्वांटम लीप वैज्ञानिक शब्दावली का टर्म है, लेकिन यदि भारतवर्ष की बीती अर्द्धशती की राजनीति का सिंहावलोकन करें तो इस टर्म को दक्षिण भारत के राजनीति के सन्दर्भ में बाखूबी प्रयुक्त किया जा सकता है। दक्षिण भारत के मतदाताओं में सिने-कलाकारों के प्रति गजब का क्रेज है और वहां लंबी नीहारिका है, जिसने राजनीति में चमकीली सफलता अर्जित की। एनटी रामाराव, एमजी रामचंद्रन, जयललिता, करूणानिधि और पवन कल्याण की फेहरिस्त में अब एक नया नाम आ जुड़ा है। यह नाम है विजय थलपति का, जो सिने-स्टारडम से लंबी छलांग लगाकर तमिलनाडु जैसे महत्वपूर्ण प्रांत के मुख्यमंत्री की कुर्सी तक जा पहुंचे हैं।

थलपति यानि कमांडर के नाम से विख्यात विजय का पूरा नाम है जोसेफ विजय चंद्रशेखर। अगले माह 22 जून को वह अपने जीवन के बावन वर्ष पूरे कर लेंगे। उनके पिता एसए चंद्रशेखर ईसाई हैं और मां शोभा हिन्दू। यह इसी पृष्ठभूमि का प्रभाव है कि वह मंदिर भी जाते हैं और चर्च भी, साथ ही उन्हें मस्जिद और दरगाह जाने में कोई संकोच नहीं होता। तमिल-सिनेमा से उनका नाता इस नाते पुराना है कि उनके पिता सिने निर्देशक रहे हैं और कांग्रेस के प्रति उनकी रूझान रही है। चेन्नै में जनमे विजय की पढ़ाई भी स्थानीय लोयोला कॉलेज में हुई और उन्होंने शुरूआती डेढ़ दो दशक तक अपना ध्यान पूरा तौर पर फिल्मों पर केंद्रित किया। इसके बाद वह सार्वजनिक जीवन की ओर मुड़े और फैन क्लबों के जरिये उन्होंने सधे हुये कदमों से वह यात्रा शुरू की, जिसकी परिणति चार मई, 26 को उनकी आशातीत राजनीतिक सफलता और उपलब्धि में हुई।

थलपति विजय आज तमिल सिनेमा की सफलतम और शीर्षस्थ कमाऊ सितारों की सूची में शुमार हैं। वह अब तक 69 फिल्मों में लीड-भूमिकाओं में आ चुके हैं और फिल्म में उनकी मौजूदगी टिकट खिड़की पर सफलता की गारंटी मानी जाती है। यदि उनके जीवन-वृत्त को खंगालें तो दिलचस्प तौर पर पिता के प्रोत्साहन और प्रेरणा पर उन्होंने अपना सिनेमाई सफर सन 1984 में तमिल फिल्म वेट्री में बाल कलाकार के तौर पर किया। पिता द्वारा निर्देशित कुछ फिल्मों में बाल भूमिकाएं निभाने के उपरांत 18 वर्ष की वय में 1992 में उन्हें नालैया थीर्पु में नायक की भूमिका निभाने का मौका मिला। तदंतर पूर्व उनक्कगा, लव टुडे, कडलुक्कू मरियाधई, थुल्लथ, मानामम थुल्लम, कुशी, प्रियम्मनावले और फ्रेंड्स आदि ने एक दशक में उन्हें तमिल सिने उद्योग में शिखर पर पहुंचा दिया। इसके बाद के ढाई दशक रूपहले पर्दे पर उनकी धूम की दहाई थी। वह तमिल सिने दर्शकों की पहली पसन्द बनकर उभरे। अंतत: सन 2024 में उन्होंने सिनेमा को सायोनारा कह दिया और राजनीति उनका पहला प्रेम बनकर उभरी।

दिलचस्प बात है कि इसी साल आई उनकी फिल्म का टाईटिल था ग्रेटेस्ट आफ आल टाइम। मगर उनकी अंतिम फिल्म जन नायगान का रिलीज होना अभी शेष है।

फरवरी, सन 2024 में विजय ने अपनी नयी पार्टी लाँच की। द्रविड़ पार्टियों के वर्चस्व की अर्द्धशती के परिप्रेक्ष्य में यह एक साहसिक कदम था, लेकिन यह साहस उन्हें फला। नयी पार्टी का उन्होंने नाम रखा तमिलगा वेट्री कझगम। बताते हैं कि वह विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन के इछुक थे। इसके वास्ते उन्होंने राहुल गांधी से भेंट व चर्चा भी की थी, लेकिन द्रमुक से जारी गठबंधन और स्थानीय ईकाई के परामर्श से वह ऐसा करने से हिचक गये। फलत: कांग्रेस और टीवीके मेल सिरे नहीं चढ़ा।

यह सोचना भ्रामक होगा कि थलपति की सियासी सफलता दो वर्ष की सक्रियता का नतीजा है। इसके पीछे बिलाशक उनके फैन क्लबों की गतिविधियों का हाथ है। थलपति ने सन 2009 में अपने फैन क्लब विजय मक्काल इयक्कम की नींव डाली थी। समय के साथ ये फैन क्लब समूचे तमिलनाडु में ओरछोर फैल गये। इन क्लबों ने राहत कार्यों, शिक्षण, प्रशिक्षण और चैरिटी का काम हाथ में लिया। इसने उनकी सिनेमाई छवि में हातिमताई के रंगे भरे। आपदा पीड़ितों के लिये दरवाजे और थैलियां खोलने ने जननायक की संवदेनशील छवि अर्जित करने में मदद की। इसके बावजूद जब-तब उनकी सियासत में रूचि और रूझान सामने आती रही। सन 2011 के चुनाव में उन्होंने अन्नाद्रमुक-नीत गठबंधन को समर्थन दिया। सन 2019 में उन्होंने नागरिकता अधिनियम का यह कहकर विरोध किया कि इससे सामाजिक-धार्मिक सौमनस्यता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। सन 2022 में उनके फैन क्लब के सदस्यों ने निकाय चुनावों में शिरकत की और 115 सीटों पर सफलता पाई। उनकी बढ़ती लोकप्रियता प्रमाण 27 सितंबर, 2025 को करूर में तब मिला, जब उनकी रैली में भगदड़ से 41 लोगों की जानें गयीं। इस पर उन्होंने शोक संवेदना व्यक्त की और हताहतों के लिये धनराशि वितरित की।

थलपति विजय की खूबी है कि उन्होंने करीब 85000 फैन क्लबों की मजबूत चुनावी मशीनरी में बदल दिया है। ये क्लब उन्हें कार्यकर्ता, चुनावी भीड़ और समर्थक तो जुटाते ही हैं, उनकी नायक की छवि में निर्मित करते हैं। जब वह भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति की बात करते हैं तो यह छवि उसमें सहायक होती है। उनकी यह इमेज़ दक्षिण भारतीय मतदाताओं की सितारों के प्रति नैसर्गिक चाहत को पोसती है। मान सकते हैं कि सन 2011 में जयललिता को समर्थन की परिणति ने उनके मन में सियासत में शिरकत का बिरवा रोपा था। बहरहाल, ताजा चुनाव में टीवीके की 108 सीटों पर कामयाबी से वह नया इतिहास रचने में सफल रहे हैं। उन्होंने स्वयं दो सीटों पेरांबूर और त्रिची ईस्ट से चुनाव लड़ा और विजयी रहे। यह भी तय है कि बहुमत से कुछ सीटों का फासला पूरने में वह सफल होंगे। तयशुदा है कि दोनों लेफ्ट पार्टियां भी उन्हें समर्थन देंगी। नतीजों के बाद वह राजभवन जाकर सरकार बनाने का दावा जता चुके हैं। कांग्रेस ने समर्थन के साथ यह शर्त जरूर नत्थी की है कि विजय सांप्रदायिक ताकतों से दूरी बरतेंगे, संवैधानिक मूल्यों का पान करेंगे, थंथाई पेरियार के सामाजिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता रखेंगे और पेरून्थ लैवर कामराज के गौरवशाली दिनों की वापसी के लिये जतन करेंगे। जहां तक विजय के विचारों की बात है वह स्पष्ट कर चुके हैं कि द्रमुक उनकी राजनीतिक बैरी है और बीजेपी वैचारिक शत्रु। चुनाव प्रचार के दरम्यान उन्होंने इतनी अधिक लोकलुभावन घोषणायें की हैं कि वित्तीय कारणों से उन्हें अमल में लाना कठिन होगा। तमिल मतदाताओं को उनसे उम्मीद इस नाते है कि वह फैन क्लबों के जरिये मुफ्त कैंटीन, कंप्यूटर वितरण, ब्लड डोनेशन और राहत कार्यों का अभियान चलाते रहे हैं। मीडिया की चकाचौंध से बचने के लिये बाज वक्त वह रूमाल से चेहरा ढंककर अथवा दुपहिया वाहन पर बैठकर घटना स्थल पर गये। वह राहुल गांधी ही नहीं अन्ना हजारे और नरेन्द्र मोदी से भी मिल चुके हैं।

वह करूणानिधि और एमजीआर के प्रशंसक हैं। सामाजिक न्याय उनके लिए मायने रखता है। कम ही लोगों को ज्ञात होगा कि वह कुशल और पुरस्कृत गायक हैं और इलैयाराजा और एआर रहमान तक के लिए गा चुके हैं। हां, उनका निजी जीवन विवाद और नुक्ताची का शिकार रहा है। उन्होंने सन 1999 में संगीता सोर्नालिंगम से शादी की थी, जो श्रीलंका में जनमी ब्रिटिश तमिल युवती थीं। संगीता ने गत वर्ष उनसे तलाक की अर्जी लगाई है, अलबत्ता उनकी दोनों संतानों से उनके रिश्तों को इससे बूझा जा सकता है कि उनका पुत्र जेसन संजय और पुत्री दिव्या साशा उनके साथ क्रमश: वेट्रिकरन और थेरी में रुपहले पर्दे पर आ चुके हैं। 6.25 बिलियन संपत्ति के स्वामी थलपति विजय का तृषा कृष्णन के साथ प्रेम प्रसंग संप्रति लोगों की जुबान पर है, लेकिन आज की राजनीति में नायकों के प्रेम-प्रसंग और विवाहेतर संबंध समर्थकों और प्रशंसकों के लिये मायने नहीं रखते, अत: थलपति का पर्फामेन्स ही तय करेगा कि वह राजनीति में कितनी लंबी और कैसी पारी खेलते हैं?

ममता दी का आलाप!

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

प. बंगाल की मुख्यमन्त्री और तृणमूल कांग्रेस पार्टी की सर्वेसर्वा सुश्री ममता बनर्जी का यह कहना कि वह राज्य विधानसभा के चुनावों में करारी हार के बावजूद पद से इस्तीफा नहीं देंगी, पूरी तरह गैर संवैधानिक, अनैतिक और अलोकतान्त्रिक है। केवल इतना ही नहीं बल्कि उनका यह फैसला स्वयं उनके राजनैतिक सिद्धान्तों के भी खिलाफ है क्योंकि एक तरफ चुनाव आयोग पर वह संविधान के अनुसार काम न करने का आरोप लगा रही हैं और दूसरी ओर इसके समानान्तर स्वयं ही ऐसा काम कर रही हैं। संविधान कहता है कि किसी राज्य का मुख्यमन्त्री चुनावों में अपनी पार्टी के हार जाने के बाद अपने पद से त्यागपत्र दे देगा जिससे नया जनादेश पाने वाली पार्टी का नेता नया मुख्यमन्त्री बन सके।

इस बारे में संविधान पूरी तरह स्पष्ट है कि चुनाव परिणाम आने के बाद काबिज मुख्यमन्त्री को नये मुख्यमन्त्री के लिए रास्ता साफ कर देना चाहिए जिससे हर पांच साल बाद (या जैसी परिस्थिति बने) होने वाले चुनावों में यदि काबिज मुख्यमन्त्री की पार्टी भी जीतती है तो उसे विधानसभा का जारी कार्यकाल पूरा होने से पहले ही अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप देना होगा, बेशक राज्यपाल उनसे यह कह सकते हैं कि जब तक नई विधानसभा का गठन नहीं होता है तब तक वह कार्यवाहक मुख्यमन्त्री बने रहें। प. बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को पूरा हो रहा है और चुनाव आयोग ने नई विधानसभा गठित करने का प्रस्ताव राज्यपाल को दे दिया है अत: ममता दी केवल इसी दिन तक अपने पद पर हैं इसके बाद राज्यपाल के पास उन्हें बर्खास्त करने का उपाय बचता है।

मगर राज्यपाल यदि चाहें तो इससे पहले ही उनसे कह सकते हैं कि वह अपने पद से इस्तीफा दे दें। वास्तव में ममता दी ने यह रास्ता केवल अपनी राजनीति को गर्म रखने के लिए चुना है जो कि देश के लोकतन्त्र की प्रतिष्ठा को गिराने वाला है। स्वतन्त्र भारत की यह पहली घटना है जब कोई मुख्यमन्त्री चुनाव में हार जाने के बावजूद कह रहा हो कि वह अपना पद नहीं छोड़ेगा। भारत के लोग दुनिया के सबसे बड़े पारदर्शी व जवाबदेह अमेरिकी लोकतन्त्र की वह घटना अभी तक नहीं भूले हैं जब 2020 में चुनाव हार जाने के बावजूद राष्ट्रपति ट्रम्प ने पद छोड़ने की बजाय अपने समर्थकों को वहां के संसद भवन में घुसा दिया था और कहा था कि चुनाव नतीजा सही नहीं दिया गया है तथा वह चुनाव नहीं हारे हैं और मतगणना में धांधली हुई है। ममता दी भी 4 मई को घोषित चुनाव परिणामों के बारे में ऐसे ही आरोप लगा रही हैं और कह रही हैं कि विजयी पार्टी भाजपा ने चुनाव आयोग के साथ साजिश करके ऐसे चुनाव परिणाम दिये हैं। वह कह रही हैं कि उहें षड्यन्त्र करके चुनावों में हराया गया है जिससे 294 सदस्यों की विधानसभा में उनकी पार्टी के केवल 80 विधायक जीते हैं और भाजपा के 207 प्रत्याशी नये विधायक बन गये हैं। मगर यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि इन चुनावों में स्वयं ममता दी भी कोलकाता की भवानीपुर सीट से 15 हजार से भी अधिक मतों से भाजपा प्रत्याशी श्री शुभेन्दु अधिकारी से चुनाव हार गई हैं।

इससे यह आभास होता है कि ममता दी संविधान के रास्ते को छोड़कर अराजकता की ओर बढ़ना चाहती हैं। उनका यह कहना मैं हारी नहीं हूं,मैं, इस्तीफा नहीं दूंगी, मेरे इस्तीफा देने के लिए राज्यपाल निवास जाने का सवाल ही पैदा नहीं होता। इन चुनावों में भाजपा व चुनाव आयोग ने मिलकर गन्दा खेल खेला है और जबरन वोटों को लूटा है'' बताता है कि उनकी मंशा क्या है? यदि वह इस लड़ाई को सड़कों पर ले जाना चाहती हैं तो भारतीय संविधान उन्हें पूरी तरह अहिंसक रहते हुए शान्तिपूर्ण आन्दोलन करने की इजाजत देता है। मगर उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि वह चुनाव आयोग के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में भी लड़ रही हैं और न्यायालय ने चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण करने की संवैधानिकता के बारे में अपना निर्णय सुरक्षित रखा हुआ है। बेशक इस पुनरीक्षण में बंगाल के 91 लाख मतदाताओं के नाम काटे गये हैं और इनमें 27 लाख ऐसे नागरिक हैं जिनके पास आयोग द्वारा पात्रता के लिए आवश्यक दस्तावेजों के प्रमाण भी बताये जाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर इन मतदाताओं की तस्दीक करने के लिए राज्य में 19 ट्रिब्यूनलों का गठन भी हो चुका है मगर ये ट्रिब्यूनल मतदान से पूर्व इनकी सुनवाई नहीं कर सके। 27 लाख मतदाताओं में से कुछ तो ऐसे भी थे जो मतदाता बनने के देश के सर्वोच्च न्यायालय से ही आदेश लेकर आये और फिर उन्होंने चुनाव लड़ा और जीते भी। ऐसे ही लोगों में से एक फरक्का चुनाव क्षेत्र से विजयी कांग्रेस के उम्मीदवार मोताब शेख हैं।

इस चुनाव क्षेत्र में मतदान पहले चरण 23 अप्रैल को हुआ था। श्री शेख ने अपना नामांकन उसी दिन 6 अप्रैल को भरा जो पर्चा दाखिल करने का अन्तिम दिन था। अत: चुनाव आयोग के खिलाफ ममता दी की लड़ाई कायदे से न्यायालय में ही होनी चाहिए। यदि वह इस लड़ाई को सड़कों पर ले जाती हैं तो बंगाल के माहौल को देखते हुए इसमें हिंसा होने का अन्देशा रहेगा, क्योंकि प. बंगाल में चुनाव बाद हिंसा का प्रचलन भी नया नहीं है, हालांकि ममता दी कह रही हैं कि उनकी पार्टी ने केवल भाजपा से ही चुनाव नहीं लड़ा है बल्कि चुनाव आयोग से भी चुनाव लड़ा है जो भाजपा के लिए काम कर रहा था।

भारत के लोकतन्त्र में किसी राजनैतिक दल द्वारा चुनाव आयोग पर ऐसे आरोप भी पहली बार ही लग रहे हैं। मगर ममता दी को यह भी याद रखना चाहिए कि 1975 में देश पर इमरजेंसी थोपने वाली तत्कालीन प्रधानमन्त्री स्व. इन्दिरा गांधी ने अपने प्रधानमन्त्रित्व काल में ही 1977 में हुए लोकसभा चुनावों का परिणाम सिर माथे लेते हुए अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था जबकि वह भी उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से खुद अपना चुनाव हार गई थीं। अत: ममता दी को भारत के लोकतन्त्र की प्रतिष्ठा किसी भी सूरत में ऊपर रखनी चाहिए।

हिंसा के बीच शांति की आस और नई सरकार का गठन

हरि वर्मा

बंगाल जल उठा है। चुनाव बाद चिंगारी फिर भड़क गई है। मां-मानुष वाली माटी लहूलुहान है। हिंसा, फायरिंग, आगजनी की घटनाओं ने लोकतंत्र को शर्मसार कर दिया है। जनादेश के बाद ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा न देने का एलान कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को चुनौती दे डाली है। संवैधानिक शीर्ष पद पर बैठीं मुख्यमंत्री ममता ने ही संवैधानिक संस्थानों और प्रक्रियाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसे में बंगाल में चुनाव बाद उपद्रव बहुत हैरान करने वाला नहीं, लेकिन निंदनीय जरूर है। हिंसक घटनाओं के बीच बंगाल में रामराज बहाल करना नई सरकार के लिए बड़ी चुनौती साबित होने वाला है।बंगाल में चुनाव बाद हिंसा का यह कोई पहला वाकया नहीं है। अतीत दागदार रहा है। शुरू में तीन दशक तक वहां कांग्रेस का राज रहा। 1977 में जब पहली बार वाम मोर्चे ने कांग्रेस के हाथ से कुर्सी हथिया कर सत्ता के गलियारे में लाल झंडा गाड़ा, तब भी बंगाल की माटी खून से लाल हुई थी।

चुनाव बाद की हिंसा में वाम-कांग्रेस समर्थक आपस में खूब भिड़े। खूनखराबे में कई जानें गईं। 2011 से 2016 के पांच वर्षों के तृणमूल राजकाज में 180 से ज्यादा राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्याएं हुईं। 2021 आते-आते जब तृणमूल कांग्रेस के लिए भाजपा चुनौती साबित होने लगी, तब भी 29 हत्याएं और दुष्कर्म की 12 घटनाएं हुईं। इन हिंसक घटनाओं की ज्यादा वजह राजनीतिक रंजिश ही रही। 2021 आते-आते बंगाल में मानवाधिकार से जुड़ी 10,900 शिकायतें आईं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों पर यदि गौर फरमाएं तो ममता के 15 साल के राज में 75 लोग राजनीतिक हिंसा के शिकार हुए। भाजपा के कई कार्यकर्ता इन 15 वर्षों में मारे गए। ऐसा नहीं कि केवल राज्य सत्ता परिवर्तन के दौर में ही बंगाल की माटी ने हिंसा झेली।2009 के लोकसभा चुनाव में भी जंगलमहल इलाके में कांग्रेस, वाम, तृणमूल समर्थकों के त्रिकोणीय सियासी संघर्ष में 15 लोगों की जान गई। और अब 2026 में चुनाव नतीजे के तुरंत बाद भड़की हिंसा में अब तक तीन लोगों की जान जा चुकी है। दफ्तर फूंके गए। फायरिंग हुई। जवान घायल हुए। लोकतंत्र फिर कराह रहा है। ऐसा नहीं कि हिंसा का यह अंदेशा पहले नहीं था। गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव के दौरान जब एक पखवाड़े तक बंगाल में प्रवास किया, तब वहां वर्षों से उपजे भय को भरोसे में बदलने के लिए कहा था। बंगाल में चुनाव के बाद भी 60 दिनों तक केंद्रीय बल रहेगा। इस भरोसे के बूते ही वहां आजाद भारत का अब तक का ऐतिहासिक रिकॉर्ड मतदान हुआ। चुनावी रैलियों में भी पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था, गुंडे 4 मई के बाद देख लें। चुनाव आयोग ने विजय जुलूस निकालने पर प्रतिबंध लगा दिया ताकि टकराव टल जाएं। जाहिर है, 4 मई को नतीजे आए, लेकिन अंदेशे के अनुरूप ही 24 घंटे के भीतर ही सियासी रंजिश की चिंगारी सुलग पड़ी। ताजा हिंसा के लिए तृणमूल कांग्रेस और भाजपा एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रही है। उपद्रवी कोई हो, उसे कतई राजनीतिक संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। जाहिर है यह सत्ता परिवर्तन का दौर है। 9 मई को नई सरकार शपथ लेगी। आने वाली सरकार के लिए रामराज बहाल करने की सबसे बड़ी चुनौती होगी। ऐसे में प्रदेश की नई सरकार हो या केंद्र यानी डबल इंजन की सरकार के लिए रामराज स्थापित करने के लिए कड़े और बड़े एक्शन की उम्मीद की जानी चाहिए।भय के बीच जिस भरोसे के बूते बंगाल ने जो जनादेश दिया है, वहां रामराज ही सबसे बड़ा रिटर्न गिफ्ट होगा। वैसे भी यह माटी मां (दुर्गा-काली) की है। चंड-मुंड (असुरों-उपद्रवियों) के वध के लिए जैसे कालिका प्रकट हुई थीं, वैसे ही बार-बार सुलगते बंगाल में रामराज के लिए फिर यह मंत्र जरूरी हो गया है...

चुनाव परिणामों ने दिखाया नया राजनीतिक ट्रेंड

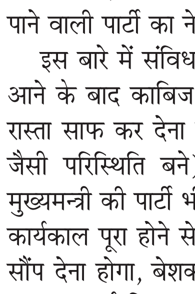

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरलम, असम और पुडुचेरी में संपन्न विधानसभा चुनावों के नतीजों ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों के लिए मिला जुला चित्र प्रस्तुत किया है। कुछ राज्यों में पार्टी को निराशा हाथ लगी, जबकि कुछ क्षेत्रों में उसे उल्लेखनीय सफलता भी मिली। इन चुनावों का एक महत्वपूर्ण पक्ष मुस्लिम उम्मीदवारों का प्रदर्शन रहा, जिसने कई राज्यों में राजनीतिक समीकरणों को नई दिशा दी है। खास तौर पर असम और केरलम में कांग्रेस तथा उसके सहयोगी दलों के मुस्लिम प्रत्याशियों ने प्रभावशाली जीत दर्ज कर यह संकेत दिया है कि इन इलाकों में मुस्लिम मतदाताओं का भरोसा अभी भी इस गठबंधन के साथ बना हुआ है।

केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा ने दस वर्षों के लंबे अंतराल के बाद सत्ता में वापसी की। राज्य में चुने गए 35 मुस्लिम विधायकों में से 30 संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा से संबंधित हैं। इनमें कांग्रेस के आठ और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के 22 विधायक शामिल हैं। यह परिणाम बताता है कि राज्य में मुस्लिम मतदाताओं ने संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा पर व्यापक भरोसा जताया। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की उम्मीदवार फातिमा तहलिया की जीत विशेष रूप से चर्चा में रही। उन्होंने कोझिकोड जिले की पेराम्ब्रा सीट पर माकपा नेता टीपी रामकृष्णन को पांच हजार से अधिक मतों से हराया। इस जीत के साथ वह पार्टी की पहली मुस्लिम महिला विधायक बन गईं। उनकी सफलता को मुस्लिम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

असम में कांग्रेस के मुस्लिम उम्मीदवारों का प्रदर्शन और भी अधिक प्रभावशाली रहा। पार्टी ने राज्य में 20 मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से 18 ने जीत दर्ज की। इसके विपरीत कांग्रेस के अधिकांश गैर मुस्लिम उम्मीदवार हार गए और केवल एक गैर मुस्लिम प्रत्याशी को सफलता मिली। कांग्रेस ने कुल 101 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि मुस्लिम उम्मीदवारों की सफलता दर अत्यंत ऊंची रही। कांग्रेस के सहयोगी रायजोर दल को भी दो सीटों पर जीत मिली, जिनमें एक मुस्लिम उम्मीदवार की थी, जबकि दूसरी सीट अखिल गोगोई ने जीती। अखिल गोगोई पर राष्ट्रीय

जांच एजेंसी द्वारा माओवादी गतिविधियों से जुड़े आरोपों की जांच चल रही है।

असम में कई सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों ने भारी अंतर से जीत दर्ज की। गौरिपुर सीट पर कांग्रेस के अब्दुल सोबहान अली सरकार ने भाजपा समर्थित उम्मीदवार निजानुर रहमान को 19097 मतों से हराया। जलेश्वर सीट पर कांग्रेस के आफताब मोल्ला ने एआईयूडीएफ नेता शेख आलम को 109688 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। समागुरी में तंजिल हुसैन ने भाजपा के अनिल सैकिया को 108310 मतों से हराया। इसके अलावा अलगापुर कटलीछड़ा जैसी सीटों पर भी कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत का अंतर एक लाख से अधिक रहा। इन परिणामों ने यह संकेत दिया कि असम के कई क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाता कांग्रेस के पक्ष में मजबूती से एकजुट हुए।

हालांकि असम में कांग्रेस की इस सफलता के बावजूद एआईयूडीएफ प्रमुख मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एआईयूडीएफ को खत्म करने की कोशिश की, लेकिन अब स्वयं समाप्त हो गई है। अजमल ने यह भी कहा कि कांग्रेस अब मुस्लिम लीग बन गई है और यह स्थिति उन्हें दुखी करती है। उनका यह बयान असम की राजनीति में मुस्लिम मतों को लेकर चल रही प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि चुनाव प्रचार के दौरान असम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए उसे माओवादी मुस्लिम लीग कांग्रेस करार दिया था। आखिरकार उनकी बात सही साबित हुई।

वहीं पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को केवल दो सीटों पर जीत मिली, लेकिन दोनों सीटें मुस्लिम बहुल क्षेत्रों से थीं। पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस की तुलना में अधिक मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे। वहीं तमिलनाडु में कांग्रेस ने दो मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में उतारे, जिनमें से एक को जीत मिली। इन परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस ने कई राज्यों में मुस्लिम समुदाय को साधने की रणनीति अपनाई थी और कुछ स्थानों पर उसे इसका लाभ भी मिला।

मत प्रतिशत के आंकड़े भी इन चुनावों की राजनीतिक दिशा को स्पष्ट करते हैं। असम में भाजपा को 37.81 प्रतिशत मत मिले, जबकि कांग्रेस को 29.84 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। दूसरी ओर केरलम में कांग्रेस और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को मिलाकर कुल 39.80 प्रतिशत मत मिले। इससे यह स्पष्ट होता है कि केरलम में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ।

बहरहाल, इन विधानसभा चुनावों ने यह संकेत दिया है कि देश की राजनीति में धार्मिक और सामाजिक आधार पर मतदाताओं का ध्रुवीकरण और अधिक स्पष्ट होता जा रहा है। एक ओर जहां भाजपा को व्यापक रूप से हिंदू मतदाताओं का समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम समुदाय का झुकाव फिर से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। खासकर असम और केरलम में मुस्लिम उम्मीदवारों की उल्लेखनीय सफलता ने कांग्रेस को नई राजनीतिक ऊर्जा दी है। वहीं भाजपा और अन्य दलों द्वारा कांग्रेस पर तुष्टीकरण तथा वोटबैंक की राजनीति के आरोपों ने इस बहस को और तेज कर दिया है। आने वाले समय में यह राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और अधिक तीखी हो सकती है, क्योंकि विभिन्न दल अपने अपने सामाजिक आधार को मजबूत करने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

स्मृतियों से रिश्तों तक : बिछड़ी महिलाओं को अपनों से मिला रहा रेडक्रॉस

मानवता की पहचान बना महिला हाफ वे होम

रेडक्रॉस सोसायटी के अंतर्गत संचालित महिला हाफ वे होम उन महिलाओं के पुनर्वास का केंद्र है, जो मानसिक आरोग्यशाला में उपचार के बाद स्वस्थ तो हो जाती हैं,

लेकिन उन्हें अपना घर, गांव या परिवार याद नहीं रहता। कई महिलाएं अपना नाम तक स्पष्ट रूप से नहीं बता पातीं। ऐसे में रेडक्रॉस के कर्मचारी और वार्डन लगातार उनकी काउंसलिंग करते हैं। भरोसे, संवाद और भावनात्मक सहारे के जरिए महिलाएं धीरे-धीरे अपने जीवन की छोटी-छोटी बातें याद करने लगती हैं। इन्हीं बिखरी यादों और संकेतों के आधार पर संबंधित जिलों, थानों और प्रशासनिक इकाइयों से संपर्क कर परिवारों की तलाश शुरू की जाती है। कई महीनों की मेहनत के बाद जब परिवार का पता चलता है, तब महिलाओं को सुरक्षित रूप से उनके परिजनों को सौंपा जाता है। रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव नवल शुक्ला बताते हैं कि यह केवल सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि गहरी भावनात्मक जिम्मेदारी भी है। वर्षों बाद जब कोई महिला अपने परिवार से मिलती है, तब वह दृश्य हर किसी को भावुक कर देता है। कई परिवार अपनी बेटी, बहन या मां को सामने देखकर फूट-फूटकर रो पड़ते हैं।

तीन से चार माह तक चलती है काउंसिलिंग

किसी महिला को उसके परिवार तक पहुंचाना आसान प्रक्रिया नहीं होती। मानसिक उपचार के बाद भी कई महिलाओं की स्मृतियां पूरी तरह वापस नहीं लौटतीं। ऐसे में लगातार तीन से चार माह तक उनकी काउंसिलिंग की जाती है। वार्डन महेन्द्र कुशवाह बताते हैं कि कई महिलाएं हर बार अलग-अलग पता बताती हैं। कभी गांव का नाम बदल जाता है, तो कभी जिला। ऐसे में हर छोटी जानकारी को जोड़कर परिवार तक पहुंचने की कोशिश की जाती है। कई मामलों में एक महिला को उसके परिजनों से मिलाने में महीनों का समय लग जाता है।

पुलिस और प्रशासनिक सहयोग की कमी भी चुनौती

इस मानवीय कार्य में रेडक्रॉस कर्मचारियों को कई कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ता है। महिलाओं द्वारा बताए गए पतों के आधार पर जब संबंधित थानों और प्रशासन से संपर्क किया जाता है, तब कई बार अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाता। वार्डन महेन्द्र कुशवाह का कहना है कि यदि स्थानीय पुलिस और प्रशासन सक्रिय सहयोग करें, तो महिलाओं को उनके परिवारों तक पहुंचाने की प्रक्रिया और अधिक तेज और प्रभावी हो सकती है। इसके बावजूद रेडक्रॉस की टीम लगातार अपने प्रयासों में जुटी हुई है।

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर जब पूरी दुनिया मानव सेवा, करुणा और सहायता की भावना को याद कर रही है, तब ग्वालियर की रेडक्रॉस सोसायटी मानवता की ऐसी मिसाल पेश कर रही है, जिसने वर्षों से अपनों से बिछड़ी महिलाओं को फिर से उनके परिवारों से मिलाने का संवेदनशील कार्य किया है। मानसिक उपचार के बाद स्वस्थ हो चुकीं, लेकिन अपना घर-परिवार और पहचान भूल चुकी महिलाओं को उनके अपनों तक पहुंचाने का यह अभियान ग्वालियर रेडक्रॉस की सबसे बड़ी मानवीय पहल बन चुका है। ग्वालियर में संचालित महिला हाफ वे होम आज उन महिलाओं के लिए उम्मीद का घर बन गया है, जिन्हें कभी समाज और परिवार ने हमेशा के लिए खोया हुआ मान लिया था। रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से अब तक 52 महिलाओं को उनके परिवारों से मिलाया जा चुका है। इनमें कई महिलाएं ऐसी भी थीं, जो छह से सात वर्षों तक अपने परिजनों से दूर रहीं और जिनके जीवित होने की उम्मीद तक परिवार छोड़ चुका था।

रक्तदान से लेकर आपदा राहत तक सेवा का विस्तार

ग्वालियर रेडक्रॉस केवल मानसिक रूप से स्वस्थ हुई महिलाओं को परिवारों से मिलाने तक सीमित नहीं है। संस्था रक्तदान, स्वास्थ्य सेवाओं, आपदा राहत और आर्थिक सहायता जैसे अनेक मानवीय कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है।

सम्मान समारोह आज

विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में 8 मई को होटल सुरुचि में सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में रेडक्रॉस से जुडे सदस्यों व रक्तदाताओं का सम्मान किया जाएगा।

विश्व रेडक्रॉस दिवस आज

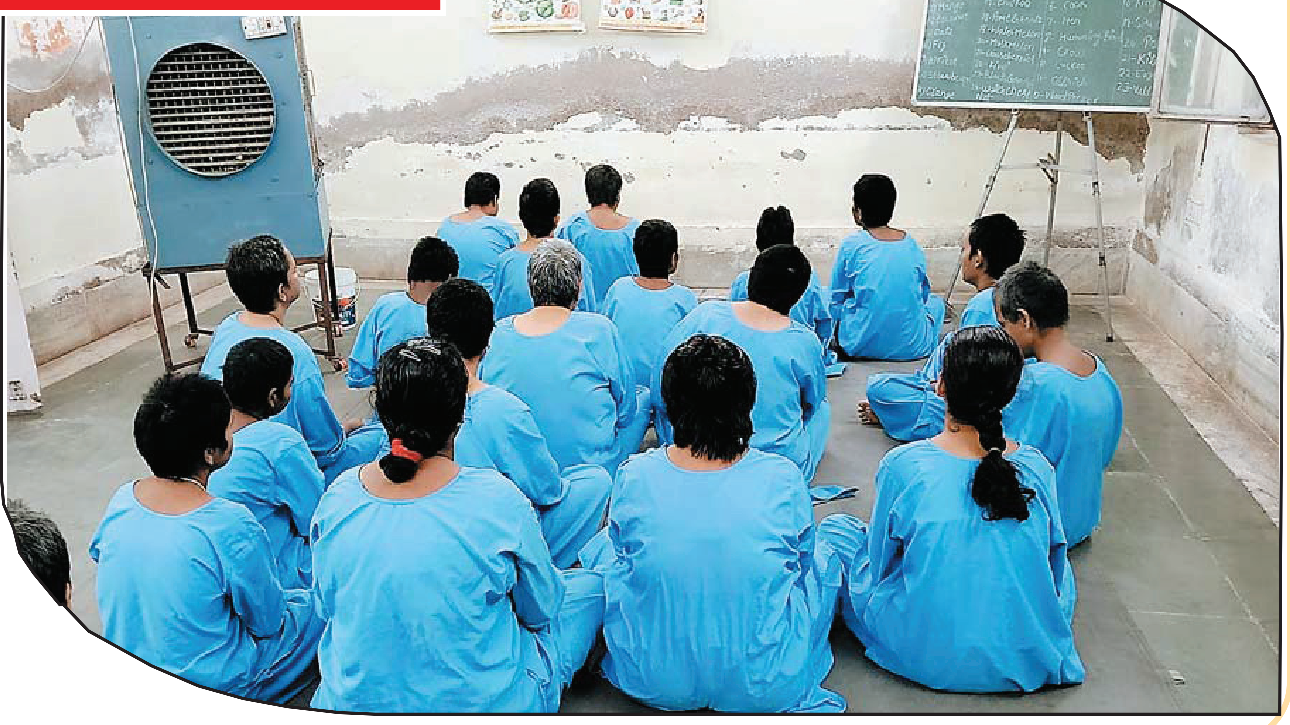

वर्षों बाद अपनों से मिलकर छलक पड़े आंसू

महिला हाफ वे होम के वार्डन महेन्द्र कुशवाह बताते हैं कि कई महिलाएं मानसिक बीमारी और भटकाव के कारण वर्षों तक परिवार से दूर रहती हैं। धीरे-धीरे परिवार वाले उन्हें मृत मान लेते हैं। लेकिन जब रेडक्रॉस की टीम उन महिलाओं को लेकर उनके घर पहुंचती है, तो परिजनों को अपनी आंखों पर विश्वास तक नहीं होता। वे बताते हैं कि कई बार मां अपनी बेटी को गले लगाकर रो पड़ती है, तो कहीं भाई वर्षों बाद बहन को सामने देखकर खुद को संभाल नहीं पाता। यही पल रेडक्रॉस कर्मचारियों के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि बन जाते हैं।

आपदाओं में 22 लाख की सहायता

रेडक्रॉस द्वारा पिछले एक वर्ष में बाढ़, सड़क दुर्घटनाओं, महामारी और अन्य आपदाओं से प्रभावित जरूरतमंदों को लगभग 22 लाख रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। हाल ही में सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मृत्यु के बाद उनके परिजनों को तत्काल 20-20 हजार रुपए की सहायता प्रदान की गई थी।

रेडक्रॉस के सहयोग से से बची चाचा की जान

जालौन निवासी उमेश कुशवाह लिवर की गंभीर बीमारी से पीड़ित थे और शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। उपचार के दौरान चिकित्सकों ने चार से पांच यूनिट रक्त और प्लाज्मा की आवश्यकता बताई। उमेश के भतीजे लखन कुशवाह बताते हैं कि परिवार में कोई डोनर उपलब्ध नहीं था। ऐसे में किसी परिचित ने उन्हें रेडक्रॉस ब्लड बैंक के बारे में जानकारी दी। रेडक्रॉस ने बिना देरी रक्त और प्लाज्मा उपलब्ध कराया। लखन कहते हैं कि यदि समय पर रक्त नहीं मिलता, तो उनके चाचा की जान बचाना मुश्किल हो जाता। आज पूरा परिवार रेडक्रॉस का आभारी है।

सात माह की बच्ची को मिला नया जीवन

अवाड़पुरा कंपू स्थित वकील कॉलोनी निवासी सराफत हुसैन बताते हैं कि उनकी बहू का समय से पहले प्रसव हो गया था। सात माह में जन्मी बच्ची बेहद कमजोर और एनीमिक थी। चिकित्सकों ने लगातार रक्त चढ़ाने की सलाह दी, लेकिन परिवार के पास कोई डोनर नहीं था। ऐसे समय रेडक्रॉस ने लगातार सात दिनों तक बच्ची के लिए रक्त उपलब्ध कराया। सराफत हुसैन कहते हैं कि रेडक्रॉस की मदद से उनकी नातिन की जान बच सकी। आज बच्ची पूरी तरह स्वस्थ है और परिवार संस्था को दुआएं दे रहा है।

सेवा, संवेदना और मानवता का प्रतीक

विश्व रेडक्रॉस दिवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि मानवता की उस भावना का प्रतीक है, जो जाति, धर्म और सीमाओं से ऊपर उठकर जरूरतमंदों की सहायता करना सिखाती है। रेडक्रॉस आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1859 में इटली के सोलफेरिनो युद्ध के बाद हुई थी। युद्ध में घायल सैनिकों की पीड़ा देखकर जीन हेनरी ड्यूनांट ने ऐसे संगठन की कल्पना की, जो बिना किसी भेदभाव के मानव सेवा कर सके। उनके प्रयासों से वर्ष 1863 में इंटरनेशनल कमिटी ऑफ रेडक्रॉस की स्थापना हुई। आज ग्वालियर रेडक्रॉस उसी मानवीय परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। कहीं कोई बिछड़ी महिला अपने परिवार तक पहुंच रही है, कहीं किसी मरीज को रक्त मिल रहा है, किसी कैंसर पीड़ित को प्लेटलेट्स मिल रहे हैं या किसी नवजात को नया जीवन हर जगह रेडक्रॉस उम्मीद की किरण बनकर खड़ा दिखाई देता है।

एक वर्ष में 13 हजार यूनिट रक्त उपलब्ध कराया

रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित ब्लड बैंक जिले के मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रहा है। पिछले एक वर्ष में लगभग 13 हजार यूनिट रक्त जरूरतमंद मरीजों को उपलब्ध कराया गया। ऐसे कई मरीज थे, जिनके पास डोनर उपलब्ध नहीं थे, लेकिन रेडक्रॉस ने समय पर रक्त उपलब्ध कराकर उनकी जान बचाई।

कैंसर पीड़ितों को भी मिल रही राहत

रेडक्रॉस ब्लड बैंक द्वारा पिछले एक वर्ष में 400 कैंसर पीड़ितों को सिंगल डोनर प्लेटलेट्स उपलब्ध कराए गए। कैंसर उपचार के दौरान प्लेटलेट्स की आवश्यकता कई बार जीवन और मृत्यु का प्रश्न बन जाती है। ऐसे समय रेडक्रॉस बड़ी राहत बनकर सामने आया।

निरावली पर चक्काजाम, कांग्रेसी गिरफ्तार

किसानों के लिए सड़क से संसद तक लड़ाई का आह्वान

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर निरावली-रायरू चौराहा पर प्रदर्शन कर धरना दिया। धरना में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन और वाहनों के कारण हाईवे पर जाम लग गया। आंदोलनकारी से निपटने बड़ी संख्या में मौजूद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर डीआरपी लाइन की अस्थाई जेल भेज दिया। बाद में रिहा कर दिया गया।

ग्वालियर, मुरैना एवं भिंड जिले के कांग्रेसजन सड़कों पर उतरे और सरकार की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किसानों की आवाज बुलंद करते हुए नारे लगाए। साथ ही सड़क से संसद तक लड़ाई का आह्वान किया। नेताओं ने कहा कि भाजपा ने वर्ष 1990 में तत्कालीन मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा के समय यह वादा किया था कि भाजपा किसानों का कर्ज माफ करेगी, लेकिन 36 वर्षों के लंबे अरसे के बाद भी किसानों का कर्ज माफ नहीं कर पाई। आज प्रदेश का किसान कर्ज, महंगी खाद, डीजल-पेट्रोल की बढ़ती कीमतों, बिजली संकट और फसल के उचित दाम न मिलने से परेशान है। भाजपा सरकार केवल झूठे वादों और विज्ञापनों की राजनीति कर रही है, लाखों किसान कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं, किसान आत्महत्या करने को मजबूर है। फिर भी भाजपा सरकार किसानों की पीड़ा पर आंखें मूंदे बैठी है। कांग्रेस पार्टी ने भाजपा सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक किसानों का कर्ज माफ नहीं किया जाएगा, उनकी फसलों को उचित मूल्य नहीं मिलेगा और उनकी अन्य न्यायपूर्ण मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक कांग्रेस का यह संघर्ष जारी रहेगा। इस अवसर पर सांसद संजना जाटव, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, राज्यसभा सदस्य अशोक सिंह, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, साहब सिंह गुर्जर, दिनेश गुर्जर एवं सुरेश राजे, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने संबोधित किया। आंदोलन में प्रदेश महासचिव प्रवीण पाठक, सुनील शर्मा, रश्मि पवार शर्मा, पूर्व मंत्री बालेंदु शुक्ला, पीसी शर्मा, घनश्याम सिंह, सत्यपाल सिंह सिकरवार नीटू, दशरथ सिंह पटेल, राहुल शर्मा, आरपी सिंह, राम पांडे, ज्योति सिंह, इब्राहिम पठान, हेवरन सिंह कंसाना, संजय सिंह यादव, अवधेश कौरव, लतीफ खां मल्लू, मीनू परिहार आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस झूठ फैला रहीः पिरोनिया

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक घनश्याम पिरोनिया ने कांग्रेस के किसान चक्काजाम आंदोलन को लेकर कहा कि यह वह झूठ फैलाकर माहौल खराब कर रही है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी अपनी राजनीतिक छवि बनाने के लिए किसानों और आम जनता को परेशान कर रहे हैं। कांग्रेस को किसानों के हित की चिंता करने से पहले अपने शासनकाल की जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए, जब किसानों पर गोलियां चलाई गईं और उनसे 18 प्रतिशत तक ब्याज वसूला गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव किसानों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। वे स्वयं गेहूं खरीदी केंद्रों पर जाकर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। भाजपा सरकार हमेशा किसानों के साथ मजबूती से खड़ी रही है और आगे भी किसानों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। श्री पिरोनिया ने कहा कि 15 महीने की कमलनाथ सरकार ने कर्जमाफी का झूठा वादा कर लाखों किसानों को डिफॉल्टर बना दिया था, जबकि भाजपा सरकार ने ब्याज राहत देकर किसानों को आत्मनिर्भर बनाया है। कांग्रेस राज में 17 प्रतिशत ब्याज पर ऋण मिलता था, जबकि भाजपा सरकार इस वर्ष 25 हजार करोड़ रुपए का ऋण 0 प्रतिशत ब्याज पर देने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भू-अर्जन पर 4 गुना मुआवजा देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

परिधान-2026 में आज दिखेगा फैशन व रचनात्मकता का संगम

ग्वालियर। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित होने वाला वार्षिक फैशन शो परिधान-2026 इस बार नए और आकर्षक अंदाज में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन युवा फैशन डिजाइनरों को अपनी रचनात्मकता, नवाचार और डिजाइनिंग कौशल प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करेगा। प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 8 मई को कुट्योर कैनवास थीम पर आधारित रहेगा, जिसमें आधुनिक फैशन और रचनात्मक प्रस्तुति का विशेष आकर्षण देखने को मिलेगा। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में विभिन्न शहरों से करीब 15 टीमें भाग लेंगी। प्रतिभागी डिजाइन, स्टाइलिंग और मंच प्रस्तुति के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता को रोचक बनाने के लिए करीब एक लाख रुपए तक के पुरस्कार भी निर्धारित किए गए हैं। विश्वविद्यालय प्रबंधन का मानना है कि परिधान 2026 युवा डिजाइनरों के लिए सीखने और अपनी पहचान बनाने का बेहतर अवसर साबित होगा।

विधायक प्रीमियर क्रिकेट लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ आज

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जन उत्थान न्यास के तत्वाधान में विधायक प्रीमियर लीग 2026 रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन शुक्रवार 8 मई को सायं 6 बजे एमएलबी कॉलेज मैदान पर होगा।

कांग्रेस विधायक एवं जन उत्थान न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीश सिकरवार ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि टूर्नामेंट में ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र की 19 वार्डों से 165 टीमें भाग लेंगी। शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार एवं विशिष्ट अतिथि म.प्र. यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया होंगे। अध्यक्षता ग्वालियर ग्रामीण से विधायक साहब सिंह गुर्जर करेंगे। विधायक डॉ. सिकरवार ने बताया कि शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी 165 टीमें मैदान पर मौजूद रहेंगी। इसके साथ ही टूर्नामेंट का शुभारंभ टीम 18/एफ एवं 56/वाय के फ्रेंडली मैच से किया जाएगा। विधायक डॉ. सिकरवार ने बताया कि विजेता टीम को एक लाख रुपए, उप विजेता को 51 हजार रुपए एवं तीसरे स्थान पर आने वाली टीम को 31 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को मोटरसाइकिल, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर को 11-11 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। टूर्नामेंट में 11 टीमों को प्रोत्साहन राशि 5100 रुपए दी जाएगी। प्रत्येक मैच के मैन ऑफ द मैच खिलाड़ी को 1100 रुपए नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

दर्शकों को लकी ड्रॉ से मिलेगी टी-शर्ट

विधायक डॉ. सिकरवार ने बताया कि टूर्नामेंट में प्रत्येक दिन दर्शकों को कूपनों का वितरण मैच के दौरान किया जाएगा। मैच समापन के बाद लक्की ड्रॉ द्वारा प्रतिदिन 100 दर्शकों को टी-शर्ट दी जाएगी। पत्रकारवार्ता में न्यास के उपाध्यक्ष विनोद जैन, संयोजक डॉ. राकेश अग्रवाल, सह संयोजक संजय कठठ्ल, बेताल सिंह गुर्जर, कोषाध्यक्ष अवध सिंह धाकरे, सचिव अवधेश कौरव, सह सचिव केपी सिंह भदौरिया, सुरेश प्रजापति, प्रतीक जैन लालू अनूप शिवहरे, संदीप यादव, हिमांशु कीकन, न्यासी आदित्य सिकरवार आदि उपस्थित रहे।

संविदा ओपीडी आयुष चिकित्सा अधिकारियों को न समान वेतन मिला, न सेवा लाभ

18 साल से समकक्षता के इंतजार में आयुष चिकित्सक

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

प्रदेश में कार्यरत 315 संविदा ओपीडी आयुष मेडिकल ऑफिसर्स समकक्षता, वेतनमान और सेवा लाभों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। शासन स्तर पर कई बार आश्वासन और नीतिगत घोषणाएं होने के बावजूद इन चिकित्सकों को अब तक उनका अधिकार नहीं मिल सका है। चिकित्सकों का आरोप है कि अफसरशाही की उदासीनता के कारण मुख्यमंत्री की घोषणाएं भी धरातल पर लागू नहीं हो पा रही हैं।

संविदा आयुष चिकित्सकों का कहना है कि वर्ष 2023 में आयोजित संविदा महापंचायत में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संविदा नीति लागू करने की घोषणा की थी। इसके बाद 30 जनवरी 2026 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी उनकी मांगों पर सकारात्मक आश्वासन दिया, लेकिन इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों में संविदा कर्मचारियों को नियमित वेतनमान के न्यूनतम का 100 प्रतिशत भुगतान करने का प्रावधान है, फिर भी आयुष चिकित्सकों को इसका लाभ नहीं मिल रहा।

प्रदेश में कार्यरत इन चिकित्सकों की नियुक्ति चिकित्सा अधिकारियों के रूप में हुई थी, लेकिन उन्हें उस स्तर का वेतन और दर्जा नहीं दिया गया। आयुष विभाग ने इन्हें नियमित आयुष चिकित्सकों के समकक्ष मानते हुए ग्रेड पे 5400 और वेतनमान 15600-39100 देने की अनुशंसा की थी, लेकिन समकक्षता निर्धारण समिति ने इन्हें फिजियोथेरेपिस्ट के समकक्ष मानते हुए ग्रेड पे 3600 निर्धारित कर दिया। चिकित्सकों का कहना है कि उन्होंने इंटर्नशिप सहित साढ़े पांच वर्ष का पाठ्यक्रम पूरा किया है, जबकि विभाग इसे केवल साढ़े चार वर्ष मानकर कमतर श्रेणी में रखा है। आयुष संचालनालय ने भी अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि संविदा आयुष चिकित्सक नियमित चिकित्सकों के समान कार्य कर रहे हैं और उनकी शैक्षणिक योग्यता भी समान है। इन चिकित्सकों का कहना है कि वे केवल ओपीडी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों, प्रसव सेवाओं, टीबी, एनीमिया, लेप्रोसी नियंत्रण, सेक्टर मॉनिटरिंग और अन्य स्वास्थ्य योजनाओं में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

कोरोना काल में भी उन्होंने क्वारंटाइन सेंटर से लेकर आईसीयू तक सेवाएं दीं, लेकिन आज तक उन्हें समान कार्य के अनुरूप वेतन और सम्मान नहीं मिला।

सेवा लाभों से भी वंचित हैं आयुष चिकित्सक

संविदा आयुष चिकित्सकों को अब तक एचआर पॉलिसी के दायरे में शामिल नहीं किया गया है। इसके चलते उन्हें अनुकंपा नियुक्ति, स्वास्थ्य बीमा, ग्रेच्युटी और अन्य सेवा लाभ नहीं मिल पा रहे। चिकित्सकों का कहना है कि वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने के बावजूद उन्हें अस्थायी कर्मचारी की तरह रखा जा रहा है।

इनका कहना है

22 जुलाई 2023 की संविदा नीति के तहत आयुष विभाग ने हमारी समकक्षता नियमित आयुष चिकित्सकों के समान 5400 ग्रेड पे के आधार पर निर्धारित करने की अनुशंसा की थी। हम वर्षों से मेडिकल ऑफिसर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं और समान कार्य के बावजूद हमें समान वेतन एवं सम्मान नहीं मिल रहा।

डॉ. अवतार सिंह यादव
प्रदेश अध्यक्ष, ओपीडी आयुष मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन (एनएचएम) मप्र

सशस्त्र सेना झंडा दिवस में उत्कृष्ट योगदान पर ग्वालियर सम्मानित

ग्वालियर। सशस्त्र सेना झंडा दिवस के तहत लक्ष्य से अधिक अंशदान राशि एकत्रित करने पर ग्वालियर जिले को प्रदेश स्तर पर सम्मानित किया गया। यह सम्मान हाल ही में राजभवन भोपाल में आयोजित समारोह में राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा प्रदान किया गया। समारोह में टीम ग्वालियर को प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। जिलाधीश रुचिका चौहान की ओर से जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल नरेन्द्र सिंह तोमर (सेवानिवृत्त) ने यह सम्मान प्राप्त किया। बुधवार को कर्नल तोमर ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधीश को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किया। कर्नल तोमर ने बताया कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस 2024 के लिए जिले को 12 लाख 74 हजार 100 रुपए का लक्ष्य दिया गया था, जबकि ग्वालियर जिले ने 13 लाख 23 हजार 520 रुपए की राशि एकत्रित कर लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल की।

मुझे नजर बहत जल्दी लगती है अक्षरा सिंह

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने हाल ही में अपनी लव लाइफ पर बात की है। एक वक्त में उनके प्यार के चर्चे भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह के साथ थे। दोनों का अफेयर रहा, मगर बाद में इनके बीच दूरियां आ गईं और ब्रेकअप हो गया। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप भी लगाए। हालांकि, पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद एक्ट्रेस अब आगे बढ़ गई हैं। उनकी जिंदगी में फिर से प्यार ने दस्तक दी है।

अक्षरा बोलीं- 'भूतकाल पर थोड़ी अटकी रहूंगी'

अक्षरा सिंह ने हाल ही में एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इस दौरान उनसे सवाल किया गया कि क्या उन्हें दोबारा प्यार नहीं हुआ? इस पर अक्षरा ने मुस्कुराते हुए कहा, 'हुआ है ना। चल रहा है। दोबारा क्या होता है, जो पुराना हो गया वह तो भूतकाल में चला गया। अभी मैं भविष्य की चिंता करूंगी, वर्तमान की चिंता करूंगी या भूतकाल पर अटकी रहूंगी'।

किसे डेट कर रही हैं अक्षरा सिंह?

बातचीत के दौरान अक्षरा ने बताया कि वह एक अनजान शख्स को डेट कर रही हैं। उन्होंने उस शख्स की पहचान उजागर नहीं की। अक्षरा ने कहा, 'हां मैं प्यार में हूं, लेकिन अभी टाइम है। फिलहाल मैं प्यार के 'प' पर पहुंची हूं। थोड़ा प्रोसेस होने दीजिए, फिर मैं सब बताऊंगी'। अक्षरा सिंह ने आगे कहा कि बिना प्यार के कोई नहीं रह सकता।

अक्षरा बोलीं- 'मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है'

प्यार का नाम पूछे जाने पर एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है। अगर मैंने नाम बता दिया और नजर लग गई तो? शादी का अभी नहीं पता, लेकिन पहले जिनसे प्यार हुआ है उन्हें जान लें। बहुत-सी चीजें हैं, वो जब समझ आ जाएंगी तब देखा जाएगा शादी का'। अक्षरा ने कहा कि अभी शुरुआती दौर है, वह खुद अभी फिगर आउट कर रही हैं।

खुशी से फूले नहीं समा पा रहीं वामिका

17 अप्रैल 2026 को रिलीज हुई हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' में वामिका गब्बी ने लीड रोल प्ले किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है और इसने नेट इंडिया कलैक्शन और वर्ल्डवाइड दोनों में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। वामिका गब्बी की यह पहली फिल्म है, जिसने 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया है।

वामिका गब्बी ने जाहिर की खुशी

वामिका ने फिल्म की इस सफलता पर खुशी जाहिर की है और फिल्म से जुड़े लोगों का तहेदिल से शुक्रिया किया है। उन्होंने फिल्म के मेकर्स और कास्ट का शुक्रिया अदा किया साथ ही फैंस को भी इतना प्यार दिखाने के लिए आभार जताया।

वामिका ने लिखा इमोशनल पोस्ट

वामिका ने इस स्पैशल मूमेंट पर फिल्म से कुछ खूबसूरत बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं और उनके साथ एक दिल को छूने वाला नोट लिखा, 'मेरी पहली 100 करोड़ की फिल्म। प्रियदर्शन, अक्षय कुमार और एकता कपूर की मैं शब्दों से परे आभारी हूं.. साथ ही पूरी कास्ट और क्रू भी जिन्होंने इस फिल्म पर भरोसा किया और अपना सब कुछ दे दिया। 'भूत बंगला' जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है।'

एक्ट्रेस ने फैंस का जताया आभार

उन्होंने लिखा, 'दर्शकों से इसे देखने के लिए, इसे महसूस करने के लिए और धीरे-धीरे इसके लिए और मेरे लिए अपने दिलों में जगह बनाने के लिए, आप सभी का धन्यवाद। यहां का हर कदम मैंने अपनी मेहनत से कमाया है, उससे सीखा है और उसे दिल से महसूस किया है। यह तो बस शुरुआत है मैं हमेशा आपके सामने आती रहूंगी, आगे बढ़ती रहूंगी और आपका मनोरंजन करती रहूंगी।' बता दें फिल्म को प्रियदर्शन ने डायरैक्ट किया है। इसमें अक्षय कुमार, राजपाल यादव, असरानी, परेश रावल, वामिका गब्बी, मिथिला पारकर जैसे कलाकार हैं। वामिका ने फिल्म में अक्षय के अपोजिट काम किया।

नई पीढ़ी की प्रतिभाशाली अभिनेत्री शिवज्योति

वैब सीरीज 'बेबाकी' (2020) से अपने अभिनय सफर की शुरुआत करने वाली टैलेंटेड एक्ट्रेस और मॉडल शिव ज्योति राजपूत ने 'फतेह' (2025), 'स्पैशल ऑप्स 1.5: द हिम्मत स्टोरी' (2021) और 'जहांगीर नैशनल यूनिवर्सिटी: जेएनयू' (2024) में बेहद गंभीर और प्रभावशाली किरदार निभाते हुए ओटीटी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है।

'फतेह' (2025) में शिव ज्योति, निमृत कौर के महत्वपूर्ण किरदार में साइबर फ्रॉड सिंडिकेट का शिकार हो जाती है और वहीं से कहानी नया मोड़ लेती है क्योंकि निमृत का दर्द और उसके साथ हुआ साइबर धोखा पूरे कथानक को आगे बढ़ाता है। 'स्पैशल ऑप्स 1.5: द हिम्मत स्टोरी' (2021) में उन्हें अनीता शर्मा के किरदार में एक्टिंग की मजबूत और रहस्यमयी परतें दिखाने का मौका मिला। इस किरदार के जरिए उन्होंने हर किसी का दिल जीत लिया।

> **21 नवंबर 1993 को मुंबई में पैदा हुई शिवज्योति राजपूत मूल रूप से दिल्ली की हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड नई दिल्ली से एमबीए की डिग्री हासिल करने के बाद, उन्होंने 'मेबेलाइन', 'हैड एंड शोल्डर शैम्पू', 'रिन' जैसे प्रोडक्ट्स के लिए मॉडलिंग शुरू की। मॉडलिंग के दौरान शिवज्योति को आल्ट बालाजी और जी 5 द्वारा निर्मित वैब सीरीज 'बेबाकी' (2020) के जरिए एक्टिंग में डेब्यू करने का अवसर मिला।**

'जहांगीर नैशनल यूनिवर्सिटी: जेएनयू' (2024) में उनके द्वारा निभाए गए साइरा राशिद जैसे किरदार ने सामाजिक और गंभीर विषयों से जुड़ने का अवसर दिया। अपनी अभिव्यक्तिपूर्ण आंखें, मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस और सहज अभिनय की बदौलत आज शिव ज्योति का नाम नई पीढ़ी की प्रतिभाशाली एक्ट्रेस की फेहरिस्त में शामिल है। शिव ज्योति की आंखें इतनी प्रभावशाली और गहरी हैं जिनके जरिए वह कई तरह की भावनाएं बड़ी आसानी के साथ व्यक्त कर देती हैं।

उनकी आंखों का निश्चल भाव और गहराई सीधे ऑडियंस के दिल को छू जाती है। 21 नवंबर 1993 को मुंबई में पैदा हुई शिवज्योति राजपूत मूल रूप से दिल्ली की हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड नई दिल्ली से एमबीए की डिग्री हासिल करने के बाद, उन्होंने 'मेबेलाइन', 'हैड एंड शोल्डर शैम्पू', 'रिन' जैसे प्रोडक्ट्स के लिए मॉडलिंग शुरू की। मॉडलिंग के दौरान शिवज्योति को आल्ट बालाजी और जी 5 द्वारा निर्मित वैब सीरीज 'बेबाकी' (2020) के जरिए एक्टिंग में डेब्यू करने का अवसर मिला।

शिवज्योति ने हमेशा घिसी-पिटी कहानियों से अलग ऐसी कहानियों को चुना जिनमें गहराई और सामाजिक प्रासंगिकता हो। अपने हर किरदार में जिस तरह की परफॉर्मेंस का उन्होंने प्रदर्शन किया उसमें आत्मविश्वास साफ नजर आता है। शिवज्योति राजपूत सोनी लिव की सीरीज 'अनदेखी' के चौथे सीजन में नजर आई हैं।

मनोज वाजपेयी संग काम करके खुश अदा

> **अदा ने कहा, 'मुझे मनोज जी के साथ स्क्रीन शेयर करके बहुत खुशी हो रही है। हमारे डायरैक्टर बहुत ही बेहतरीन हैं, जो खुद भी एक शानदार एक्टर हैं'। उन्होंने मनोज वाजपेयी की तारीफ करते हुए उन्हें शानदार बताया। अदा ने बताया है कि वह उनके साथ काम करके बेहद खुश हैं।**

अदा शर्मा जल्द ही फिल्म 'गवर्नर' में मनोज वाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। यह पहली बार है, जब दोनों सितारे पहली बार साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म से मनोज और अदा का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। हाल ही में अभिनेत्री ने मनोज वाजपेयी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा:-

मनोज वाजपेयी के साथ काम करके खुश अदा

अदा शर्मा ने आगामी फिल्म में मनोज वाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए खुशी जताई है। उन्होंने कहा, 'मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करके बहुत खुशी हो रही है। हमारे डायरैक्टर बहुत ही बेहतरीन हैं, जो खुद भी एक शानदार एक्टर हैं'। उन्होंने मनोज वाजपेयी की तारीफ करते हुए उन्हें शानदार बताया। अदा ने बताया है किव्ह उनके साथ काम करके बेहद खुश हैं।

बोलीं- 'मेरे किरदार में कई सरप्राइज हैं'

अदा शर्मा ने मनोज के साथ पहली बार काम करने के बारे में बात करते हुए कहा, 'वह इस फिल्म का चेहरा हैं। 'गवर्नर' में वह गवर्नर की भूमिका निभा रहे हैं, और वह वाकई जबर्दस्त हैं'। एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'उनके साथ काम करके अच्छा लग रहा है। हमारे डायरैक्टर बहुत ही बेहतरीन हैं। मेरे किरदार में भी एक अच्छा-खासा सरप्राइज है और यह कुछ ऐसा रोल है, जो मैंने पहले कभी नहीं किया है'। हालांकि, अदा ने अपनी आने वाली फिल्म में अपने किरदार के बारे में ज्यादा डिटेल्स साझा नहीं कीं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' का निर्माण विपुल अमृतलाल शाह ने किया है। यह एक राजनीतिक थ्रिलर फिल्म है, जो देश के किसी राष्ट्रीय संकट के इर्द-गिर्द बुनी हुई है। इसकी कहानी सुवेंदु भट्टाचार्जी, सौरभ भरत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने मिलकर लिखी है। जावेद अख्तर ने इसके गीत लिखे हैं, वहीं म्यूजिक अमित त्रिवेदी ने तैयार किया है। यह फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म का निर्देशन चिन्मय मांडलेकर ने किया है।

ज्यादा इज्जत के हकदार हैं थिएटर एक्टर्स: रश्मि देसाई

> **रश्मि देसाई का करियर साल २००६ में 'रावण' से शुरू हुआ। इसके बाद 'परी हूं मैं' में डबल रोल और 'उतरन' से उन्हें व्यापक लोकप्रियता मिली।**

अभिनेत्री रश्मि देसाई ने थिएटर एक्टर्स की मेहनत और संघर्ष पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है, जहां कलाकार बहुत मेहनत करते हैं, लेकिन उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिल पाता। रश्मि देसाई का कहना है कि थिएटर ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है। उन्होंने थिएटर को एक खूबसूरत और सीखने लायक माध्यम बताया है। अभिनेत्री ने बताया, 'थिएटर एक्टर्स बहुत मेहनत करते हैं। उन्हें उनका हक समय पर नहीं मिलता। वे जिस तरह का मजा करते हैं, उनका एक छोटा-सा परिवार होता है और वे उसी में खुश रहते हैं। उन्हें किसी और की तारीफ की जरूरत नहीं होती। उन्हें यह सुनने की जरूरत नहीं होती कि ठीक है, यह करो, वह करो।'

रश्मि ने थिएटर कलाकारों की रिस्क लेने की क्षमता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि थिएटर एक्टर्स रिस्क लेने के लिए तैयार रहते हैं। अगर कोई गलती हो जाए या असफलता हो तो भी उनके साथी उनका हाथ थाम लेते हैं और कहते हैं कि यह वक्त भी गुजर जाएगा। रश्मि के अनुसार, थिएटर सीखने का सबसे अच्छा माध्यम है जहां हर असफलता के बाद नई शुरुआत होती है।

अभिनेत्री ने थिएटर कलाकारों के लिए ज्यादा सम्मान की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'वे ज्यादा इज्जत के हकदार हैं। लोगों को थिएटर और थिएटर एक्टर्स के बारे में और जानना चाहिए। यह काम करने के लिए बहुत खूबसूरत माध्यम है।'

रश्मि ने अपने थिएटर अनुभव पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि उन्होंने इतने लंबे समय बाद थिएटर किया। उन्होंने वैशाली, प्रतिमा, अयूब, ओजस रावल और आसिफ पटेल जैसे सह-कलाकारों और निर्देशकों का आभार व्यक्त किया। रश्मि ने उन्हें कमाल और बेहद पॉजिटिव लोग बताया।

रश्मि देसाई का करियर साल 2006 में 'रावण' से शुरू हुआ। इसके बाद 'परी हूं मैं' में डबल रोल और 'उतरन' से उन्हें व्यापक लोकप्रियता मिली। उन्होंने 'झलक दिखला जा', 'खतरों के खिलाड़ी', 'नच बलिये' जैसे रियलिटी शो में भी हिस्सा लिया। सलमान खान की फिल्म 'दबंग 2' में उनका कैमियो भी याद किया जाता है।

इनमें से कोई एक बनेगी 'तुम्बाड' की लीड एक्ट्रेस

'तुम्बाड 2' को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। सालों बाद आ रही इस फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर नई अपडेट ने फैंस की एक्साइटमैंट और बढ़ा दी है। हाल ही में मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का ऐलान किया और बताया कि फिल्म 3 दिसंबर 2027 रिलीज होगी। फिल्म में सोहम शाह और नवाजुद्दीन सिद्दीकी लीड रोल में नजर आएंगे। इसी बीच अब फिल्म में एक बड़ी फीमेल स्टार को भी कास्ट करने की तैयारी चल रही है।

इन फीमेल लीड पर हो रहा विचार

इंडस्ट्री में चर्चा है कि मेकर्स फिल्म के लिए एक दमदार फीमेल लीड की तलाश कर रहे हैं। इसके लिए प्रियंका चोपड़ा, कैटरीना कैफ और नयनतारा जैसे बड़े नामों पर सोचा जा रहा है। हालांकि अभी तक किसी के नाम पर मुहर नहीं लगी है और बातचीत चल रही है। बताया जा रहा है कि मेकर्स चाहते हैं कि इस बार कहानी में एक मजबूत महिला किरदार को जोड़ा जाए, जिससे फिल्म का लेवल और भी बड़ा हो सके।

हाल ही में रिलीज डेट का हुआ ऐलान

मेकर्स ने हाल ही में सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट का ऐलान किया था। पोस्टर में तीन रहस्यमयी मूर्तियां दिखाई दे रही हैं और साथ में लिखा है 'प्रलय आएगा'। यह टैगलाइन ही इशारा करती है कि इस बार कहानी और भी ज्यादा डार्क और रोमांचक होने वाली है। डायरैक्टर आदेश प्रसाद ने भी कहा कि सीक्वल बनाना आसान नहीं था, क्योंकि पहली फिल्म की अपनी अलग पहचान थी। टीम ने कोशिश की है कि पुरानी फिल्म की आत्मा बरकरार रहे, लेकिन साथ ही दर्शकों को कुछ नया और अलग भी देखने को मिले।

पहले पार्ट ने की शानदार कमाई

बता दें कि 'तुम्बाड' 2018 में रिलीज हुई थी और धीरे-धीरे एक कल्ट फिल्म बन गई। 2024 में इसे थिएटर में दोबारा रिलीज किया गया, जिसने शानदार कमाई की थी। फिल्म की कहानी विनायक राव के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने बेटे के साथ एक खतरनाक और रहस्यमयी सफर पर निकलता है। इस फिल्म को राही अनिल बर्वे ने डायरैक्ट किया था और आनंद गांधी इसके क्रिएटिव डायरैक्टर थे। अब इसके सीक्वल से उम्मीद की जा रही है कि ये पहले से भी ज्यादा बड़ा और जबरदस्त अनुभव लेकर आएगा।

नयनतारा

प्रियंका चोपड़ा

कैटरीना

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 : 50वां मुकाबला

मिचेल का शतक, सुपर जायंट्स ने आरसीबी को नौ रन से हराया

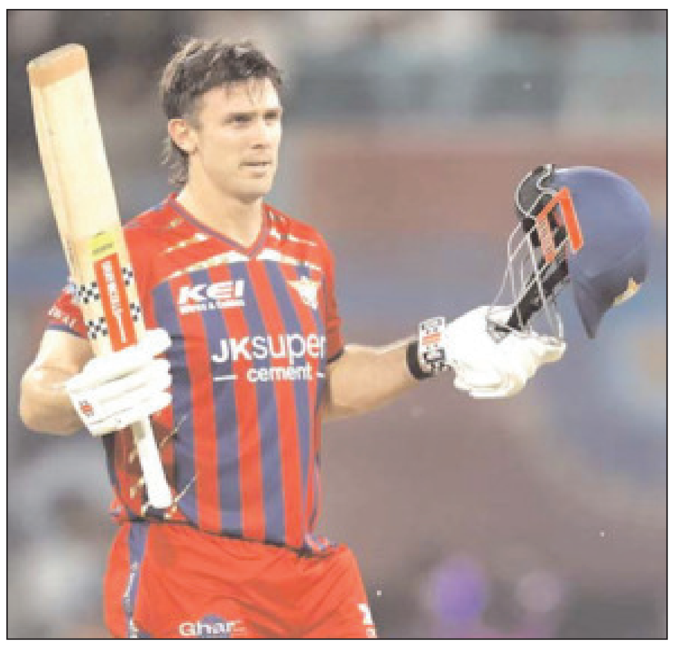

लखनऊ

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन का 50वां लीग मुकाबला लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जाएंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम के बीच में गया, जिसमें लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम डीएलएस नियमानुसार 9 रनों से मुकाबला अपने नाम करने में कामयाब रही।

कल यहां आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की पारी के शुरुआती दूसरे ही ओवर में बारिश ने बाधा डाली। बारिश रुकने के कुछ देर बात जब फिर से खेल शुरु हुआ तो मिचेल मार्श चौके, छक्कों की बारिश करते हुए अपनी टीम के लिए तेजी के साथ रन बटोरे। इसी दौरान 10वें ओवर में क्रुणाल पांड्या ने अर्शिन कुलकर्णी (17) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए बल्लेबाजी के निकोलस पूरन को आगे भेजा गया। पूरन ने मार्श का बखूबी साथ निभाया। 14 ओवर के बाद फिर से बारिश शुरु हो गई और खेल को रोकना पड़ा। लखनऊ सुपर जायंट्स ने एक विकेट पर 145 रन बना लिये है। मिचेल मार्श नाबाद 107 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। वहीं निकोलस पूरन भी नाबाद 14 रन बनाकर खेल रहे थे। बारिश रुकने के बाद जब फिर से खेल शुरु हुआ तो ओवरों की संख्या 19 कर दी गई। 17वें ओवर की पहली गेंद पर जॉश हेजलवुड ने मिचेल मार्श को बाउंड्री पर कैच आउट करा आरसीबी को बड़ी सफलता दिलाई। मिचेल मार्श ने 56 गेंदों में नौ चौके और नौ छक्के उड़ाते हुए 111 रनों विस्फोटक पारी खेली। 19वें ओवर में रसिख सलाम ने निकोलस पूरन को आउट किया। निकोलस पूरन ने 23 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 38 रन बनाये। लखनऊ सुपर जायंट्स ने संशोधित ओवर 19 में तीन विकेट पर 209 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। कप्तान ऋषभ पंत ने 10 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 32 रन बनाये। टारगेट का पीछा करते हुए आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही जिसमें विराट कोहली और जैकब बेथेल की ओपनिंग जोड़ी 9 रनों के स्कोर तक पवेलियन लौट गई थी। इसके बाद रजत पाटीदार और देवदत्त पडिक्कल ने तीसरे विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी करने के साथ आरसीबी को इस मैच में वापस लेकर आने का प्रयास किया लेकिन पाटीदार के 61 रन बनाकर पवेलियन लौटने के साथ विकेट गिरने का सिलसिला देखने को मिला। टिम डेविड ने जरूर 17 गेंदों में 40 रनों की पारी खेलने के साथ मुकाबले को रोमांचक बनाने का प्रयास किया लेकिन अंत में लखनऊ सुपर जाएंट्स इस मुकाबले को अपने नाम करने में कामयाब रही। प्रिंस यादव ने तीन विकेट लिए।

कोहली के साथ 9 साल बाद हुआ ऐसा

विराट कोहली को वर्ल्ड क्रिकेट में चेज मास्टर के तौर पर पहचाना जाता है, जिसमें आईपीएल में भी उनका ये कमाल देखने को मिला है। कोहली जब लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ मैच में बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे तो दूसरा ओवर फेंकने आए लखनऊ की तरफ से प्रिंस यादव की दूसरी गेंद को वह समझने में भूल कर गए जिसमें 140.4 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई इस तेज इनस्विंग गेंद ने कोहली का ऑफ स्टंप उड़ा दिया। इसी के साथ साल आईपीएल में 2017 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि विराट कोहली किसी मुकाबले में चेज करते हुए डक पर आउट हो गए। इससे पहले साल 2017 के आईपीएल सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में टारगेट का पीछा करते हुए डक पर आउट हुए थे जिसमें इस मैच में आरसीबी की टीम 49 के स्कोर पर सिमट गई थी।

शरद कमल और चीन की लियू आईटीटीएफ एथलीट कमीशन के सदस्य चुने गये

लंदन

भारत के शरत कमल अचंता और चीन की ओलंपिक चैंपियन लियू शिवेन सहित अफ्रीका, अमेरिका, यूरोप से एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस फेडरेशन एथलीट कमीशन में सदस्य के रूप में चुना गया है।आईटीटीएफ ने चार मई को चुनाव चरण के खत्म होने के बाद गुरुवार को चुनाव के नतीजों की घोषणा की। लियू ने 2022 से 2026 तक भारत के शरत कमल अचंता के साथ आईटीटीएफ एथलीट कमीशन के को-चेयर के रूप में काम किया है। अचंता को भी इस बार फिर से सदस्य चुना गया।

अन्य चुने गए सदस्यों में वेल्स की शार्लेट कैरी, घाना की सेलिया बाह डान्सो, इंग्लैंड के पॉल ड्रिंकहॉल, अल्जीरिया के सामी खेरौफ, इक्वाडोर के अल्बर्टो मिनो और रोमानिया की एलिज़ाबेटा समारा शामिल हैं। आईटीटीएफ ने कहा कि इस चुनाव से अफ्रीका, अमेरिका, एशिया और यूरोपीय महाद्वीप और लिंग प्रतिनिधित्व बराबर रहा है।

पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल नहीं छोड़ेंगे

सिडनी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने गुरुवार को कहा है कि उसके खिलाड़ी पाकिस्तान के साथ होने वाली एकदिवसीय के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को नहीं छोड़ेंगे। सीए के प्रवक्ता ने आज यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अभी भी आईपीएल में रहेंगे और अपनी प्रतिबद्धता पूरी करेंगे।अभी करीब एक दर्जन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल में खेल रहे हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से यह स्पष्टीकरण गुरुवार को सीए और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा मिलकर घोषित की गई तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के बाद आया है। ये मैच 30 मई, 2 जून और 4 जून को होने हैं, और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी 23 मई को इस्लामाबाद पहुंचेंगे। आईपीएल 31 मई को समाप्त होगा। अभी आईपीएल में शामिल 12 से अधिक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में ऑस्ट्रेलिया के नियमित एकदिवसीय कप्तान पैट कमिंस और चोट के कारण बाहर रहने के दौरान कमिंस की जगह खेलने वाले मिचेल मार्श शामिल हैं। अभी इंडिया में मौजूद दूसरे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं ट्रैविस हेड, टिम डेविड, जॉश हेजलवुड, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, मार्कस स्टोइनिस, जॉश इंग्लिस, कैमरन ग्रीन, मिशेल स्टार्क और मैथ्यू शॉर्ट।

उल्लेखनीय है कि आईपीएल का लीग चरण 24 मई को खत्म होगा, तब तक कई खिलाड़ी अपनी आईपीएल की जिम्मेदारी से फ्री हो जाएंगे क्योंकि 10 में से छह टीमें बाहर हो चुकी होंगी। हालांकि, कमिंस, हेड, डेविड, हेज़लवुड, बार्टलेट और कोनोली जैसे खिलाड़ियों को रुकना पड़ सकता है क्योंकि जिन टीमों को वे रिप्रेजेंट करते हैं, वे प्लेऑफ की रेस में बनी हुई हैं।

आईपीएल-2026 में आज होगा दिल्ली और केकेआर का मुकाबला

नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स की टीम शुक्रवार को यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से मुकाबला करेगी। कैपिटल्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर ये मैच जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना है। अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स अब तक 9 मैचों में 8 अंकों के साथ ही 7वें स्थान पर हैं, ऐसे में प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उसे इस मैच में बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। वहीं अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने अब तक तीन मैच जीते हैं जबकि उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। इस प्रकार वह कुल 7 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर हैं। ऐसे में उसे भी प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने ये मैच किसी भी हाल में जीतना होगा। इस प्रकार देखा जाये तो दोनों ही टीमों एक ही स्तर पर है। दोनों के ही बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। वहीं गेंदबाज लक्ष्य का बचाव करने में विफल रहे हैं। हाल ही में दिल्ली को अपने घरेलू मैदान पर सीएसके के हाथों हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसका मनोबल गिरा हुआ है। वहीं केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत हासिल की है जिससे उसके हौंसले बुलंद है जिसका लाभ उसे मिलेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनों टीमों के बीच 35 मुकाबले खेले गये हैं। इसमें से 15 दिल्ली जबकि 19 केकेआर ने जीते हैं। वहीं दिल्ली में दोनों टीमों के बीच हुए अब तक 11 मुक़ाबलों में भी दिल्ली को पांच जबकि केकेआर को छह मुक़ाबलों में जीत मिली है। 2024 से अभी तक दिल्ली, केकेआर को एक भी मैच में नहीं हरा पाई है, तो क्या दिल्ली इस सिलसिले को तोड़ पाएगी? दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी केएल राहुल और पथुम निसांका पर आधारित है। वहीं गेंदबाजी की कमान मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी के पास रहेगी। दूसरी ओर केकेआर की बात करें तो उसकी बल्लेबाज रहाणे के अलावा, रिंकू सिंह, कैमरुन ग्रीन पर निर्भर करेगी। उसकी गेंदबाजी सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती पर अर्धारित रहेगी।

अरुण जेटली स्टेडियम की पिच पर आम तौर पर बड़े स्कोर बनने हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है

दोनों टीमें इस प्रकार हैं :

दिल्ली कैपिटल्सः अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसंका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, समीर रिजवी, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन।

इम्पैक्ट प्लेयर : करुण नायर

कोलकाता नाइट राइडर्सः अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, अनुकूल रॉय, सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती।

इम्पैक्ट प्लेयरः वैभव अरोड़ा।

मौजूदा चैंपियन पीएसजी ने बायर्न म्यूनिख को हराकर चैंपियंस लीग के फाइनल में जगह बनाई

फ्रांसीसी टीम 30 मई को बुडापेस्ट में होने वाले फाइनल में आर्सेनल का सामना करेगी

लंदन

मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन ने बुधवार रात एलियांज एरिना में बायर्न म्यूनिख के खिलाफ कड़े मुकाबले में 1-1 से ड्रॉ खेलकर यूईएफए चैंपियंस लीग के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इस ड्रॉ के साथ ही उन्होंने नाटकीय अंदाज में 6-5 के कुल स्कोर से जीत हासिल कर ली। फ्रांसीसी टीम 30 मई को बुडापेस्ट में होने वाले फाइनल में आर्सेनल का सामना करेगी। मंगलवार को लंदन क्लब आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराकर कुल स्कोर 2-1 कर दिया था।

बायर्न म्यूनिख, जो 2020 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंचने की उम्मीद कर रहा था, उसकी तिहरा खिताब जीतने की उम्मीदें टूट गईं। अब वह इस सीजन में बुंडेसलीगा खिताब के साथ सिर्फ जर्मन कप ही जीत सकता है।

ओस्मान डेम्बेले के गोल ने पीएसजी को बढ़त दिलाई

पहले लेग के रोमांचक और आक्रामक खेल के बाद, दूसरा लेग कहीं अधिक रणनीतिक और तनावपूर्ण रहा। पीएसजी को मैच के लंबे समय तक बायर्न के लगातार दबाव के आगे डटकर मुकाबला करना पड़ा। फ्रांसीसी टीम के लिए इससे बेहतर शुरुआत नहीं हो सकती थी। मैच के शुरू होने के महज तीन मिनट बाद ही, ओस्मान डेम्बेले ने एक बार फिर गोल दागकर यूरोपीय फॉर्म में अपनी शानदार फॉर्म को बरकरार रखा। ख्विचा क्वारात्स्खेलिया के सटीक पास पर डेम्बेले को खाली जगह मिली और उन्होंने बिना कोई गलती किए मैनुअल नेउर को पछाड़ते हुए गोल दाग दिया, जिससे घरेलू दर्शक दंग रह गए और पीएसजी की कुल बढ़त और बढ़ गई। डेम्बेले और क्वारात्स्खेलिया दोनों ने पहले लेग में दो-दो गोल किए थे। बायर्न ने लगभग तुरंत ही दबाव बढ़ा दिया और गोल के करीब पहुंचे, लेकिन माइकल ओलिस और लुइस डियाज़ दोनों के बॉक्स के किनारे से लगाए गए शॉट लक्ष्य से चूक गए।

तनावपूर्ण मैच में गोलकीपरों का शानदार प्रदर्शन

जर्मन टीम ने अपने प्रतिद्वंदियों को उनके ही हाफ में घेर लिया था, लेकिन 33वें मिनट में गोलकीपर मैनुअल नेउर को शानदार बचाव करना पड़ा। उन्होंने जोआओ नेवेस के हेडर को नाकाम करते हुए बायर्न को मैच में बनाए रखा। पीएसजी के गोलकीपर मात्वेई सफोनोव ने भी शानदार बचाव करते हुए हाफ टाइम से एक मिनट पहले जमाल मुसियाला के नज़दीकी शॉट को रोक दिया।

केन का अंतिम गोल बायर्न के लिए काफी नहीं था

मेजबान टीम, जिसे दो गोलों की जरूरत थी, जैसे-जैसे और बेताब होती गई, पीएसजी दूसरे हाफ के खेल के अंत में डेज़ायर डोउ और क्वारात्स्खेलिया के जरिए गोल करने के करीब पहुंच गई। बायर्न के शीर्ष स्कोरर केन, जिन्हें मुश्किल से ही खेलने का मौका मिला था, ने स्टॉपेज टाइम में बराबरी का गोल दागने के लिए पर्याप्त जगह बनाई और प्रतियोगिता में लगातार सातवें मैच में गोल किया। लेकिन बायर्न के लिए इस सीजन में सभी प्रतियोगिताओं में उनका 55वां गोल तब तक बहुत देर से आया जब तक मेजबान टीम के पास समय खत्म नहीं हो गया।

भारत के पूर्व अंडर-19 क्रिकेटर अमनप्रीत सिंह गिल का 36 साल की उम्र में निधन

चंडीगढ़

भारत अंडर-19 और पंजाब के पूर्व तेज गेंदबाज़ अमनप्रीत सिंह गिल का बुधवार को चंडीगढ़ में 36 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनकी मौत का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। अंडर-19 क्रिकेट में गिल, विराट कोहली के टीममेट रहे थे। उन्होंने 2006 से 2008 के बीच पंजाब के लिए छह प्रथम श्रेणी मैच खेले और 11 विकेट लिए। वह पहले आईपीएल के दौरान पंजाब किंग्स (तब किंग्स इलेवन पंजाब) का भी हिस्सा रहे थे और बाद में पंजाब की सीनियर चयन समिति के सदस्य भी बने। बुधवार रात हैदराबाद में सनराइज़र्स हैदराबाद के खिलाफ़ मैच के दौरान पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों ने अमनप्रीत को श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टी बांधी। गिल ने 2007 में भारत के लिए कई यूथ वनडे और एक तीन-दिवसीय यूथ टेस्ट मैच खेले थे। उन्होंने टीम के साथ इंग्लैंड, मलेशिया और श्रीलंका का दौरा भी किया।

विनेश एशियन गेम्स- 2026 के चयन ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित

नई दिल्ली

कुश्ती में वापसी कर रहीं ओलंपियन विनेश फोगट को करारा झटका लगा है। विनेश को एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल में अयोग्य घोषित कर दिया गया है। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया) के अनुसार चयन ट्रायल के लिए योग्यता तीन घरेलू प्रतियोगिताओं 2025 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप, 2026 सीनियर फेडरेशन कप और अंडर-20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में पदक विजेता होने पर निर्भर करती है और वह इसमें से किसी में भी शामिल नहीं थीं। सीनियर नेशनल चैंपियनशिप दिसंबर में आयोजित की गई थी, जबकि फेडरेशन कप फरवरी में हुआ था। विनेश ने इनमें से किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया।

पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद से ही विनेश ने खेल से संन्यास ले लिया था। इसलिए वह पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं। विनेश ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में 10 से 12 मई तक होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट को अपनी वापसी के लिए चुना था पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के परिणाम चयन ट्रायल में पात्रता के लिए मान्य नहीं होंगे।

अहमदाबाद 4 से 8 जून तक पहली वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नयी दिल्ली

भारत 4 से 8 जून, 2026 तक अहमदाबाद के ट्रांसस्टेडिया में पहली वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी करने के लिए तैयार है। इसमें 40 से ज़्यादा देशों के एथलीटों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। यह चैंपियनशिप वर्ल्ड योगासन के बैनर तले आयोजित की जा रही है और इसकी मेज़बानी योगासन भारत कर रहा है।

बोर्ड ने बताई बेंगलुरु से फाइनल अहमदाबाद शिफ्ट करने की वजह

ज्यादा फ्री टिकटों की मांग की वजह से आईपीएल फाइनल छिना

बेंगलुरु/गुवाहाटी

आईपीएल प्लेऑफ़ से पहले एक बड़े विवाद में, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) पर 10,000 से ज़्यादा अतिरिक्त मुफ़्त टिकटों की मांग करने का आरोप लगाया - जिसमें विधायकों, एमएलसी और कर्नाटक सरकार के लिए कोटा भी शामिल था - जिसकी वजह से बोर्ड को बेंगलुरु से आईपीएल फ़ाइनल और प्लेऑफ़ मैचों की मेजबानी छीननी पड़ी।

चौंकाने वाले खुलासे करते हुए, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि बोर्ड केएससीए की मांगों के पैमाने से हैरान था, जो कथित तौर पर आईपीएल नियमों और सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के तहत अनुमत 15 प्रतिशत मुफ़्त टिकट कोटे से कहीं ज़्यादा थीं। बीसीसीआई ने बुधवार को आधिकारिक तौर पर आईपीएल फ़ाइनल को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शिफ़्ट कर दिया, जबकि प्लेऑफ़ मैच धर्मशाला और नए चंडीगढ़ के मुल्लांपुर स्टेडियम को दिए गए। सैकिया ने बताया कि बेंगलुरु को मूल रूप से एक प्लेऑफ़ और आईपीएल फ़ाइनल की मेज़बानी करनी थी, क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु डिफ़ेंडिंग चैंपियन थे। सामान्य आईपीएल प्रोटोकॉल के तहत, डिफ़ेंडिंग चैंपियन फ्रेंचाइजी को एक प्लेऑफ़ और फाइनल की मेजबानी के अधिकार मिलते हैं। इसलिए, बेंगलुरु को ही ये बड़े मैच होस्ट करने चाहिए थे। हालांकि, कुछ घटनाक्रमों और बेंगलुरु में मैचों की मेजबानी में गंभीर दिक्कतों की वजह से, बीसीसीआई को कर्नाटक से मैच बाहर ले जाने का एक कड़ा फ़ैसला लेना पड़ा। सैकिया ने कहा कि विवाद तब शुरू हुआ जब बीसीसीआई ने 1 मई को केएससीए को एक ईमेल भेजा, जिसमें दोहराया गया था कि मेज़बान राज्य संघों को स्टेडियम की कुल क्षमता का सिर्फ़ 15 प्रतिशत ही मुफ़्त टिकटों के तौर पर मिल सकता है। बाकी सभी टिकट आम जनता के लिए ऑनलाइन बेचे जाने चाहिए। यह न सिर्फ़ एक आईपीएल नियम है, बल्कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के भी अनुरूप है, जो यह सुनिश्चित करता है कि आम क्रिकेट प्रशंसकों को टिकटों तक उचित पहुंच मिले। केएससीए ने 2 मई को अपने जवाब में मंज़ूर कोटे से कहीं ज़्यादा टिकटों की मांग की।

अंडर-17 भारतीय लड़कियों ने 12 मेडल पक्के किए

ताशकंद

भारत की अंडर-17 लड़कियों ने एशियाई बॉक्सिंग अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, और 12 मेडल पक्के कर लिए। इसके साथ ही उन्होंने ताशकंद, उज़्बेकिस्तान में महाद्वीपीय स्तर पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। इस अभियान की अगुवाई करते हुए, राखी (46किग्रा) ने संयमित प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे पर 5-0 से जीत हासिल की, जबकि खुशी (48) ने कोरिया के खिलाफ पहले राउंड में ही आरएससी (रेफरी स्टॉप्स कॉन्टेस्ट) से जीत हासिल कर अपना आक्रामक इरादा दिखाया। ममता (52) ने जॉर्डन के खिलाफ दूसरे राउंड में ज़ोरदार आरएससी जीत के साथ इस टैली में एक और मेडल जोड़ा। अन्य बेहतरीन प्रदर्शनों में, लक्ष्मी (54) ने मंगोलिया पर तीसरे राउंड में आरएससी से जीत दर्ज की, जबकि नव्या (57) ने अपनी चीनी प्रतिद्वंद्वी को 5–0 से हराकर पछाड़ दिया। इशिका (60) ने आरएससी से जीत पक्की की।

एशियाड से पहले हुआ भारत के साथ धोखा!

कोच सर्गियो पागिनी ने भारतीय तीरंदाजों को दरकिनार कर कोरियाई टीम का दामन थामा

नई दिल्ली

एशियाई खेल सिर पर हैं और भारतीय तीरंदाजों के लिए विदेशी कोच का अनुबंध मुसीबत बनता जा रहा है। कुछ माह पूर्व तक यह तय था कि इटली के जाने-माने कोच सर्गियो पागिनी भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों को कोचिंग देंगे। लेकिन भारतीय टीम के पूर्व कोच रहे पागिनी को तीरंदाजी के मजबूत देश कोरिया से भारत के मुकाबले अधिक वेतन में प्रस्ताव मिल गया। पागिनी ने भारतीय तीरंदाजों को दरकिनार कर कोरियाई टीम का दामन थाम लिया। अब 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में शामिल की गई कंपाउंड तीरंदाजी के लिए पूर्व विश्व चैंपियन अमेरिकी तीरंदाज डेव कजिंस पर दांव लगाया गया है। कजिंस को अच्छे वेतन पर रखने की तैयारी कर ली गई है, लेकिन उनके अनुबंध पर तीरंदाजी के कुछ लोगों में रोष है।

कजिंस के कोचिंग अनुभव पर है संशय

सूत्र बताते हैं कि 1999 के विश्व चैंपियन और 2003 के उपविजेता कजिंस भारतीय कंपाउंड टीम के कोच के लिए इंटरव्यू भी दे चुके हैं। उनके अनुबंध पर अंतिम फैसला होना बाकी है। सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो कजिंस जल्द कंपाउंड तीरंदाजी टीम के कोच होंगे। हालांकि सूत्र बताते हैं कि कजिंस एक अच्छे कंपाउंड तीरंदाज तो रहे हैं, लेकिन उनके पास कोचिंग का बड़ा अनुभव नहीं है, जबकि भारतीय कंपाउंड तीरंदाज इस वक्त दुनिया के शीर्ष तीरंदाजों में शामिल हैं। कजिंस फीटा राउंड का विश्व रिकॉर्ड भी बना चुके हैं।

साल बीता पर रिकर्व

कोच भी नहीं आया

दिक्कत कंपाउंडनहीं बल्कि रिकर्व कोच की भी है। बीते वर्ष अप्रैल में कोरियाई मूल के अमेरिकी कोच की सिकली को 20 हजार अमेरिकी डॉलर के भारी-भरकम वेतन पर अनुबंधित करने की तैयारी की गई थी। लेकिन वह शर्तों से खुश नजर नहीं आए। उनका अनुबंध अब तक सिरे नहीं चढ़ा है। यही नहीं भारतीय तीरंदाज इस वक्त विश्वकप में खेल रहे हैं, लेकिन रिकर्व और कंपाउंड दोनों टीमों का अब तक चीफ कोच भी नियुक्त नहीं किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

केशव सिंह बघेल ने किया पदभार ग्रहण

भोपाल। म.प्र. राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम के अध्यक्ष केशव सिंह बघेल ने गुरुवार को भोपाल स्थित निगम कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर सांसद ग्वालियर भारत सिंह कुशवाह, पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी सहित ग्वालियर संभाग के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह में विशेष अतिथि के रूप में डॉ. उमेश शर्मा, अध्यक्ष भारतीय पशु चिकित्सा परिषद नई दिल्ली, डॉ. पी. एस. पटेल, संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग, डॉ. संजय गोवानी, प्रबंध संचालक, एम.पी.सी.डी.एफ, डॉ. अनुपम अग्रवाल रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड, डॉ. एम.के. गौतम, संयुक्त संचालक राज्य स्तरीय प्रशिक्षण संस्थान, डॉ. एस.एन. शुक्ल, प्रबंध संचालक म.प्र. राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम तथा डॉ. प्रवीण शिंदे, कार्यपालिक संचालक निगम उपस्थित रहे।

ओएचई खराबी से दो ट्रेनों का मार्ग बदला

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे के घाटीगांव- मोहाना सेक्शन के मध्य ओएचई में तकनीकी खराबी से गुरुवार को रेल यातायात प्रभावित हुआ है। यात्रियों की सुविधा के लिए इस रेलखंड की ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाने की अनुमति दी गई है। ट्रेन 19326

[सुविधा] हर साल भोपाल में 25 से 27 हजार मरीज इलाज कराने आते हैं अस्पताल

आयुष्मान योजना में अब दिल और फेफड़े का होगा प्रत्यारोपण, कैबिनेट से मिलेगी हरी झंडी

राज्य सरकार जल्दी ला रही है प्रस्ताव

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्य प्रदेश सरकार अब दिल और फेफड़े के ट्रांसप्लांट का निःशुल्क इलाज आयुष्मान योजना से करने जा रही है। सरकार जल्द ही केबिनेट में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी देगी। कैबिनेट से हरी झंडी मिलते ही ये दोनों बीमारियों को आयुष्मान में शामिल कर ली जायेंगी।

राजधानी समेत मध्यप्रदेश में हृदय और फेफड़े की बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अप्रैल में जारी आंकड़ों के अनुसार अकेले एम्स में लगभग 20 हजार और निजी अस्पतालों में 5 से 7 हजार से अधिक मरीज इन दोनों बीमारियों के इलाज के लिए आते हैं। वर्ष 2025-26 में भोपाल में अकेले एम्स में लगभग 20,000 से अधिक मरीजों को फेफड़े में दर्द और हार्ट अटैक और अन्य हृदय संबंधी समस्याओं के लिए शहर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

2017-2018 की तुलना में तीन गुना तक बढ़े मरीज

एम्स के चिकित्सकों ने जारी शोध में बताया कि भोपाल में 1984 में गैस त्रासदी के बाद फेफड़ों के मरीजों की संख्या में 30 से 35 फीसदी वृद्धि हुई है। भोपाल की हवा में धूल के कण 5 से 10 माइको मीटर के होते हैं। ये फंफड़े और दिल तक पहुंच जाते हैं। इस वजह से फेफड़ों के मरीज बढ़ रहे हैं। वर्ष 2017-18 की तुलना में 2025 तक हृदय की बीमारियों के मामले लगभग तीन गुना बढ़ गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में हृदय रोगियों की संख्या अधिक है। उम्र को देखे, तो 40 वर्ष से कम उम्र के युवा उक्त दोनों रोगों से सर्वाधिक पीड़ित है। गर्मियों में भी हार्ट और फेफड़े के मामले अधिक आ रहे हैं। लाखों खर्च होने के कारण मध्यमवर्गीय और गरीब परिवार तो फेफड़े के ट्रांसप्लाट की सोच तक नहीं पाते हैं। बता दें कि भोपाल में हृदय और फेफड़े का इलाज सिर्फ एम्स भोपाल, हमीदिया अस्पताल, बंसल अस्पताल, अपोलो सेज अस्पताल और बीएमएचआरसी में होता है।

हमीदिया अस्पताल में इलाज कराने पहुंचे मरीज।

बीमारियों को आयुष्मान में करेंगे शामिल

हृदय और फेफड़े ट्रांसफ्लाट बीमारी पर लाखों खर्च होते हैं। इस वजह से गरीब और मध्यमवर्ग के लोग इसका इलाज नहीं करा पाते हैं। राजधानी समेत प्रदेश में इनके मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए हमने इन दोनों रोगों का इलाज आयुष्मान योजना से शामिल कर निःशुल्क कराने का योजना है। इस संबंध में हमने स्वास्थ्य विभाग से प्रस्ताव और कार्ययोजना बनाकर देने को कहा है।

-डॉ राजेंद्र शुक्ल, उपमुख्यमंत्री मप्र शासन भोपाल।

उपमुख्यमंत्री ने दिए स्वास्थ्य विभाग को निर्देश

भोपाल समेत मध्यप्रदेश में हाल ही में मध्यप्रदेश सरकार आयुष्मान योजना में हृदय और फेफड़े के मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए आम नागरिकों को आयुष्मान योजना से उक्त दोनों बीमारियों के मरीजों को नि : शुल्क इलाज देने की तैयारी कर रही है। बता दें कि उक्त दोनों बीमारियों के मरीजों को अभी लाखों रुपए खर्च करने पड़ते थे, से मुक्ति मिलेगी। हाल ही में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने एम्स भोपाल की टीम के साथ बैठक में आयुष्मान भारत योजना के तहत हार्ट और लंग ट्रांसप्लांट शामिल करने की सुविधा देने पर चर्चा की। उन्होंने केबिनेट में रखने के लिए जल्द प्रस्ताव बनाकर भेजने को कहा है।

40 साल पुरानी आरक्षण प्रणाली को अगस्त से करेंगे आधुनिक

दिल्ली के रेल भवन में बैठक लेते रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव

रेल मंत्री ने दिए सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश

भोपाल (नगर संवाददाता)

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पश्चिम मध्य रेलवे समेत देश के सभी जोनों के अधिकारियों को 40 साल पुरानी आरक्षण प्रणाली को अपग्रेड करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली में अपग्रेड करते समय ट्रेनों की शिफ्टिंग करते समय यात्रियों को परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखें। दिल्ली के रेल भवन में गुरुवार को आयोजित इस बैठक में रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना और रवनीत सिंह बिट्टू उपस्थित थे।

रेल मंत्री ने कहा कि 1986 में शुरू हुई इस प्रणाली में पिछले 40 साल में कई छोटे बदलाव किए गए, लेकिन अब इसमें आमूलचूल परिवर्तन दी जरूरत है। अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर हम इसकी क्षमता का विस्तार कर सकते हैं। वर्ष 2002 में भारतीय रेलवे ने टिकटिंग में इंटरनेट का प्रयोग शुरू किया था। आज ये प्रणाली इतनी लोकप्रिय है कि देश की ज्यादातर आबादी खिड़की की ओर रुख नहीं करती। टिकटिंग में देश का बड़ा हिस्सा 88 फीसदी ऑनलाइन माध्यम से होता है।

3.5 करोड़ लोग कर रहे रेलवन ऐप का उपयोग

रेल मंत्री वैश्य ने बताया कि भारतीय रेल का मोबाइल ऐप रेलवन की शुरुआत पिछले साल जुलाई में हुई थी। एक साल से कम समय में ही देशभर में अब तक 3.5 करोड़ डाउनलोड हो चुके हैं। इसकी लोकप्रिय का सबसे बड़ा कारण है कि ये ऐप देश के आम आदमी को रेल संबंधी सभी जानकारियाँ तो देता ही है. टिकटिंग तथा अन्य सेवाओं से जुड़ी उनकी शिकायतों का भी निपटारा करता है। रोज़ाना इस ऐप के माध्यम से देश भर में 9.29 लाख टिकिटें बिक रही है।

नर कंकाल, महिला है अथवा पुरुष डीएनए टेस्ट के बाद होगा खुलासा

भोपाल। सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र स्थित गांव ढोख भदभदा के खेत में गुरुवार सुबह पेड़ पर नरकंकाल लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर नरकंकाल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नरकंकाल महिला का है या फिर पुरुष का, इसका पता लगाने पुलिस डीएनए टेस्ट करा रही है। पुलिस के अनुसार गांव ढोख भदभदा निवासी नाना भील बटाई पर खेती करते हैं। गुरुवार को वह खेत पर ट्रैक्टर लेकर प्लाऊ करने पहुंचे थे। इसी बीच उनकी नजर खेत से कुछ दूरी पर पेड़ पर लटके नरकंकाल पर पड़ी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस का कहना है कि कंकाल की कुछ हड्डियां नीचे गिरी मिली हैं। जिस जगह कंकाल मिला है वहां लोगों का आना-जाना नहीं है। फिलहाल इस बात का खुलासा नहीं हुआ है कि नरकंकाल पुरुष का है अथवा महिला का। पुलिस का कहना है कि कंकाल के नीचे कपड़े पड़े मिले हैं लेकिन उससे भी पता नहीं चल पा रहा है कि वो पुरुष का है अथवा महिला का।

दीवार पर लिखा, पत्नी से तंग आकर आत्महत्या कर रहा हूं

भोपाल। चूनाभट्टी थाना क्षेत्र स्थित ए-सेक्टर शाहपुरा में एक युवक ने दीवार पर सुसाइड नोट लिखकर फांसी लगा ली। रात को पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। विवाद के बाद पत्नी मायके चली गई थी। अगले दिन सुबह पानी भरने घर पहुंची तो पति को दुपट्टे के फंदे से लटका देखा। पुलिस का कहना है कि फांसी लगाने से पहले युवक ने दीवार पर लिखा था कि पत्नी से तंग आकर आत्महत्या कर रहा हूं। पुलिस के मुताबिक ए-सेक्टर शाहपुरा निवासी मनीष व्यास (46) प्राइवेट काम करते थे। परिवार में पत्नी है लेकिन दोनों की कोई संतान नहीं है। मंगलवार पांच मई की रात पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। विवाद के बाद पत्नी थोड़ी दूर छावनी स्थित मायके चली गई थी। अगले दिन सुबह करीब सात बजे वह पानी भरने घर पहुंची तो मनीष को दुपट्टे के सहारे फंदे पर लटका देखा।

कोहेफिजा पुलिस ने सूफिया मस्जिद के पास से दबोचा

पश्चिम बंगाल का डॉक्टर कर रहा था नकली नोटों की तस्करी

500-500 के 280 नोट बरामद, पाकिस्तान-नेपाल से जुड़े हो सकते हैं तार

भोपाल (नगर संवाददाता)

कोहेफिजा पुलिस ने पश्चिम बंगाल के एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 500 रुपए के 280 नकली नोट बरामद किए हैं। इनकी कुल कीमत एक लाख 40 हजार रुपए बताई जा रही है। आरोपी खुद को एमबीबीएस डॉक्टर बता रहा है। आरोपी के कब्जे से एक आईफोन, पेन ड्राइव और विदेशी सीरिज (44) का मोबाइल नंबर भी मिला है। पुलिस का अनुमान है कि नकली नोट सप्लायर के तार पाकिस्तान और नेपाल से भी जुड़े हो सकते हैं। आरोपी को सात दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर राज उगलवाने के प्रयास किए जा रहे हैं। थाना प्रभारी केजी शुक्ला के मुताबिक बुधवार 6 मई को सूचना मिली कि एक व्यक्ति सूफिया मस्जिद के पास संदिग्ध हालत में खड़ा है और उसके पास बड़ी मात्रा में नकदी रखी है। वह बाहर का लग रहा है और बातचीत से संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। वह अपने पास रखे 500-500 रुपए के नोटों को कम दाम में देने की बात कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई और कोहेफिजा थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम को रवाना किया। टीम ने घेराबंदी कर सेफिया कॉलेज ग्राउंड के पास से सैफुल इस्लाम (25) निवासी अरेरा कॉलोनी शाहपुरा को एक बैग के साथ हिरासत में ले लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने बैग के अंदर से चार अलग-अलग सीरिज के कुल एक लाख 40 हजार रुपए के नकली नोट, एक आईफोन व एक एंड्राइड फोन बरामद कर लिया। आरोपी से बरामद एपल आईफोन में अमेरिका आईएसडी नंबर को लेकर आरोपी ने बताया कि पहचान छिपाने के और कॉल डिटेल व रिकार्डिंग से बचने अंतरराष्ट्रीय नंबर से व्हाट्सएप कॉल करता था। इसलिए वह अंतरराष्ट्रीय नंबर का इस्तेमाल करता था। आरोपी सैफुल मूलरूप से वीरभूमि पश्चिम बंगाल का रहने वाला है।

छात्रों ने गिनाई समस्याएं, बोले-खानपान की व्यवस्थाएं और सुरक्षा तंत्र कमजोर

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय : रजिस्ट्रार ने बॉयज हॉस्टल का किया निरीक्षण, अफसरों को दिए तत्काल सुधार के निर्देश

भोपाल (नगर संवाददाता)

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के बॉयज हॉस्टल के एक-एक कमरे में 8 से 10 लड़के सो रहे हैं, क्योंकि अधिकांश कमरों में पंखे ही नहीं हैं या खराब हैं, कुलर तो गिने-चुने छात्रों को नसीब होते हैं। वॉशरूम के हाल खराब हैं। किचन मैस का सुचारू संचालन नहीं हो रहा। वॉटर कुलर खराब हैं, बच्चे ऊपर का ढक्कन हटाकर ऊपर से ही बिना फिल्टर पानी पी रहे हैं, जिससे बीमार पड़ रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था ऐसे गार्ड्स के स्वयं शरारती तत्वों से डरते हैं। ऐसी तमाम शिकायतों के निराकरण के लिए गुरुवार को रजिस्ट्रार प्रो. समर बहादुर सिंह ने तीनों बॉयज हॉस्टल का जायजा लिया और अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए।

उन्होंने समस्याओं के निराकरण के लिए टीम के साथ निरीक्षण किया ताकि सभी डिपार्टमेंट एक साथ समझ लें की दिक्कतें क्या हैं? बच्चों से सबके सामने संवाद किया। उनकी समस्याओं के जल्द निराकरण के लिए संबंधितों को तत्काल निर्देश दे दिए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया नगर निगम के नए भवन का लोकार्पण

सुशासन और बेहतर सुविधाओं का प्रतीक बनेगा अटल भवन

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को नगर पालिक निगम भोपाल के नवनिर्मित मुख्यालय 'अटल भवन' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि झीलों की नगरी भोपाल का यह आधुनिक भवन सुशासन, ग्रीनएनर्जी, पारदर्शिता और बेहतर नागरिक सेवाओं का प्रतीक बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए यह भवन नागरिकों को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर आधारित है भवन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि 'अटल भवन' ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर तैयार किया गया है। भवन में प्राकृतिक रोशनी और बेहतर वेंटिलेशन की व्यवस्था की गई है, जो भारतीय वास्तुकला के सिद्धांतों के अनुरूप है। भवन ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी बड़ा कदम है। इसकी बिजली आपूर्ति नीमच जिले के देवरी गांव में विकसित 10.5 मेगावॉट सौर ऊर्जा परियोजना से होगी। पार्किंग क्षेत्र में भी सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जा रहा है।

नीमच सौर ऊर्जा परियोजना का भी लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से नीमच जिले में लगभग 14 करोड़ रुपए की लागत से पीपीपी मोड पर विकसित सौर ऊर्जा परियोजना का भी लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल को मेट्रोपॉलिटिन सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है और रायसेन, सीहोर, विदिशा तथा राजगढ़ को जोड़कर विकास के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे।

फैक्ट फाइल

- »भोपाल को मेट्रोपॉलिटिन सिटी बनाने की दिशा में बड़ा कदम
- »ग्रीन एनर्जी और हाईटेक सुविधाओं से लैस भवन
- »एक ही छत के नीचे मिलेंगी सभी सेवाएं
- »73 करोड़ की लागत से बना 'अटल भवन'

भोपाल रहेगा स्वच्छता में नंबर-वन'

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वच्छता शपथ पटल पर संदेश लिखा 'भोपाल रहेगा स्वच्छता में नंबर-वन'। उन्होंने नवनिर्मित भवन का अवलोकन किया और शहनाई वादन कर रहे कलाकारों को प्रोत्साहन स्वरूप 5-5 हजार रुपए देने की घोषणा की।

सफाई मित्रों और हितग्राहियों को मिली सौगात

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सफाई मित्रों को पीपीई किट वितरित किए, जिनमें रेनकोट, हेलमेट, ग्लव्स, मास्क और रिफ्लेक्शन जैकेट शामिल हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को मकान की चाबियां और आवंटन पत्र भी सौंपे गए। पीएम स्वनिधि योजना के तहत हितग्राहियों को ऋण राशि के चेक वितरित किए गए।

73 करोड़ की लागत से बना आधुनिक भवन

प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि लगभग 73 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह भवन भू-तल सहित 8 मंजिला है और करीब 2 लाख वर्गफुट क्षेत्र में विकसित किया गया है। भवन में नगर निगम के सभी विभाग एक ही छत के नीचे कार्य करेंगे, जिससे नागरिकों को सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी। महापौर श्रीमती मालती राय ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार माना। महापौर श्रीमती राय ने भोपाल नगरनिगम की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नगर पालिक निगम भोपाल का नवनिर्मित भवन भू-तल सहित 8 मंजिलों में विकसित किया गया है। लगभग 2 लाख वर्गफुट से बना यह भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इस अवसर पर भोपाल के प्रभारी तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, विष्णु खत्री तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)